Website Link: mib.gov.in

सूची क्रम

01 **प्रधानमंत्री का सन्देश** 1

02 **प्रधानमंत्री द्वारा विशेष उल्लेख** 14

2.1 **'मन की बात' : विश्व रेडियो विरासत का एक स्मारक**
ओद्रे आज़ुले का सन्देश 16

2.2 **'मन की बात' :** 100वें अंक तक की यात्रा 18

2.3 **नेशनल कॉन्क्लेव 'मन की बात' @100** 26

2.4 **मेरे प्यारे देशवासियो... :** प्रेरक कहानियों का जश्न मनाती एक अनूठी कॉफ़ी टेबल बुक 30

2.5 **नारी शक्ति : विकसित भारत की जीवन शक्ति**
रवीना टंडन का लेख 34

2.5.1 **'मन की बात' : महिला सशक्तीकरण की आवाज़** 36

2.6 **'मन की बात' : जन संवाद से आत्मनिर्भरता**
रवि कुमार नर्रा का लेख 38

2.6.1 **छोटे व्यवसायों का जश्न मनाती 'मन की बात' : एक्शन में आत्मनिर्भर भारत** 40

2.7 **'मन की बात' से टीकाकरण अभियान बना जन आन्दोलन**
प्रोफ़ेसर डॉ. शशांक जोशी का लेख 44

2.7.1 **'मन की बात' : जन आन्दोलन से हो रहा राष्ट्रीय विकास** 46

2.8 **'मन की बात' : भारत की सांकृतिक विरासत के संरक्षण का उत्प्रेरक** 50

2.8.1 **शिक्षा का प्रसार : 'मन की बात' की प्रेरक कहानियाँ** 52

03 **प्रतिक्रियाएँ** 54

प्रधानमंत्री का सन्देश

मेरे प्यारे देशवासियो! नमस्कार

आज 'मन की बात' का सौवाँ एपिसोड है।

मुझे आप सबकी हज़ारों चिट्ठियाँ मिली हैं, लाखों सन्देश मिले हैं और मैंने कोशिश की है कि ज़्यादा-से-ज़्यादा चिट्ठियों को पढ़ पाऊँ, देख पाऊँ, सन्देशों को ज़रा समझने की कोशिश करूँ। आपके पत्र पढ़ते हुए कई बार मैं भावुक हुआ, भावनाओं से भर गया, भावनाओं में बह गया और खुद को फिर सम्भाल भी लिया। आपने मुझे 'मन की बात' के सौवें एपिसोड पर बधाई दी है, लेकिन मैं सच्चे दिल से कहता हूँ, दरअसल बधाई के पात्र तो आप सभी 'मन की बात' के श्रोता हैं, हमारे देशवासी हैं। 'मन की बात', कोटि-कोटि भारतीयों के 'मन की बात' है, उनकी भावनाओं का प्रकटीकरण है।

साथियो, 3 अक्टूबर, 2014, विजय दशमी का वो पर्व था और हम सबने मिलकर विजय दशमी के दिन 'मन की बात' की यात्रा शुरू की थी। विजय दशमी यानी बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व। 'मन की बात' भी देशवासियों की अच्छाइयों का, सकारात्मकता का, एक अनोखा पर्व बन गया है। एक ऐसा पर्व, जो हर महीने आता है, जिसका इंतज़ार हम सभी को होता है। हम इसमें पॉजिटिविटी को सेलिब्रेट करते हैं। हम इसमें पीपल्स पार्टिसिपेशन को भी सेलिब्रेट करते हैं। कई बार यक़ीन नहीं होता कि 'मन की

बात' को इतने महीने और इतने साल गुजर गए। हर एपिसोड अपने आप में खास रहा। हर बार, नए उदाहरणों की नवीनता, हर बार देशवासियों की नई सफलताओं का विस्तार। **'मन की बात' में पूरे देश के कोने-कोने से लोग जुड़े, हर आयु-वर्ग के लोग जुड़े। 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' की बात हो, स्वच्छ भारत आन्दोलन हो, खादी के प्रति प्रेम हो या प्रकृति की बात, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' हो या फिर अमृत सरोवर की बात, 'मन की बात' जिस विषय से जुड़ा, वो जन आन्दोलन बन गया और आप लोगों ने बना दिया। जब मैंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ साझा 'मन की बात' की थी, तो इसकी चर्चा पूरे विश्व में हुई थी।**

साथियो, 'मन की बात' मेरे लिए तो दूसरों के गुणों की पूजा करने की तरह ही रहा है। मेरे एक मार्गदर्शक थे – श्री लक्ष्मणराव जी ईनामदार। हम उनको वकील साहब कहा करते थे। वो हमेशा कहते थे कि हमें दूसरों के गुणों की पूजा करनी चाहिए। सामने कोई भी हो, आपके साथ का हो, आपका विरोधी हो, हमें उसके अच्छे गुणों को जानने का, उनसे सीखने का प्रयास करना चाहिए। उनकी इस बात ने मुझे हमेशा प्रेरणा दी है। 'मन की बात' दूसरों के गुणों से सीखने का बहुत बड़ा माध्यम बन गई है।

मेरे प्यारे देशवासियो, इस कार्यक्रम ने मुझे कभी भी आपसे दूर नहीं होने दिया। मुझे याद है, जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तो वहाँ सामान्य जन से मिलना-जुलना स्वाभाविक रूप से हो ही जाता था। मुख्यमंत्री का कामकाज और कार्यकाल ऐसा ही होता है, मिलने-जुलने

के अवसर बहुत मिलते ही रहते हैं, लेकिन 2014 में दिल्ली आने के बाद मैंने पाया कि यहाँ का जीवन तो बहुत ही अलग है। काम का स्वरूप अलग, दायित्व अलग, स्थितियों-परिस्थितियों के बंधन, सुरक्षा का तामझाम, समय की सीमा। शुरुआती दिनों में, कुछ अलग महसूस करता था, खाली-खाली सा महसूस करता था। पचासों साल पहले मैंने अपना घर इसलिए नहीं छोड़ा था कि एक दिन अपने ही देश के लोगों से सम्पर्क ही मुश्किल हो जाएगा। जो देशवासी मेरा सब कुछ हैं, मैं उनसे ही कट करके जी नहीं सकता था। 'मन की बात' ने मुझे इस चुनौती का समाधान दिया, सामान्य मानवों से जुड़ने का रास्ता दिया। पदभार और प्रोटोकॉल व्यवस्था तक ही सीमित रहा और जनभाव, कोटि-कोटि जनों के साथ, मेरे भाव, विश्व का अटूट अंग बन गया। हर महीने मैं देश के लोगों के हज़ारों सन्देशों को पढ़ता हूँ, हर महीने मैं देशवासियों के एक से एक अद्भुत स्वरूप के दर्शन करता हूँ। मैं देशवासियों के तप-त्याग की पराकाष्ठा को देखता हूँ, महसूस करता हूँ। मुझे लगता ही नहीं है कि मैं आपसे थोड़ा भी दूर हूँ। **मेरे लिए 'मन की बात' ये एक कार्यक्रम नहीं है, मेरे लिए एक आस्था, पूजा, व्रत है। जैसे लोग, ईश्वर की पूजा करने जाते हैं, तो प्रसाद की थाल लाते हैं। मेरे लिए 'मन की बात' ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के चरणों में प्रसाद की थाल की तरह है। 'मन की बात' मेरे मन की आध्यात्मिक यात्रा बन गया है।**

'मन की बात' स्व से समष्टि की यात्रा है।
'मन की बात' अहम् से वयम् की यात्रा है।
यह तो मैं नहीं, तू ही इसकी संस्कार साधना है।

आप कल्पना करिए, मेरा कोई देशवासी 40-40 साल से निर्जन पहाड़ी और बंजर ज़मीन पर पेड़ लगा रहा है, कितने ही लोग 30-30 साल से जल-संरक्षण के लिए बावड़ियाँ और तालाब बना रहे हैं, उसकी साफ़-सफाई कर रहे हैं। कोई 25-30 साल से निर्धन बच्चों को पढ़ा रहा है, कोई गरीबों की इलाज में मदद कर रहा है। कितनी ही बार 'मन की बात' में इनका ज़िक्र करते हुए, मैं भावुक हो गया हूँ। आकाशवाणी के साथियों को कितनी ही बार इसे फिर से रिकॉर्ड करना पड़ा है। आज, पिछला कितना ही कुछ आँखों के सामने आए जा रहा है। देशवासियों

के इन प्रयासों ने मुझे लगातार ख़ुद को खपाने की प्रेरणा दी है।

साथियो, 'मन की बात' में जिन लोगों का हम ज़िक्र करते हैं, वे सब हमारे हीरोज़ हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम को जीवंत बनाया है। आज जब हम 100वें एपिसोड के पड़ाव पर पहुँचे हैं, तो मेरी ये भी इच्छा है कि हम एक बार फिर इन सारे हीरोज़ के पास जाकर उनकी यात्रा के बारे में जानें। आज हम कुछ साथियों से बात भी करने की कोशिश करेंगे। मेरे साथ जुड़ रहे हैं हरियाणा के भाई सुनील जगलान जी। **सुनील जगलान जी का मेरे मन पर इतना प्रभाव इसलिए पड़ा, क्योंकि हरियाणा में जेंडर रेशिओ पर काफी चर्चा होती थी और मैंने भी 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का अभियान हरियाणा से ही शुरू किया था। और इसी बीच जब सुनील जी के 'सेल्फी विथ डॉटर' कैम्पेन पर मेरी नज़र पड़ी, तो मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने भी उनसे सीखा और इसे 'मन की बात' में शामिल किया। देखते-ही-देखते 'सेल्फी विथ डॉटर' एक ग्लोबल कैम्पेन में बदल गया और इसमें मुद्दा सेल्फी नहीं थी, टेक्नोलॉजी नहीं थी, इसमें डॉटर को, बेटी को प्रमुखता दी गई थी। जीवन में बेटी का स्थान कितना बड़ा होता है, इस अभियान से यह भी प्रकट हुआ। ऐसे ही अनेकों प्रयासों का परिणाम है कि आज हरियाणा में जेंडर रेशिओ में सुधार आया है।** आइए आज सुनील जी से ही कुछ गप मार लेते हैं।

प्रधानमंत्री जी : नमस्कार सुनील जी

सुनील जी : नमस्कार सर, मेरी ख़ुशी बहुत बढ़ गई है सर आपकी आवाज़ सुन कर।

प्रधानमंत्री जी : सुनील जी 'सेल्फी विथ डॉटर' हर किसी को याद है...अब जब इसकी फिर चर्चा हो रही है तो आपको कैसा लग रहा है?

सुनील जी : प्रधानमंत्री जी, ये असल में आपने जो हमारे प्रदेश हरियाणा से पानीपत की चौथी लड़ाई बेटियों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए शुरू की थी, जिसे आपके नेतृत्व में पूरे देश ने जीतने की कोशिश की है तो वाकई ये मेरे लिए और हर बेटी के पिता और बेटियों को चाहने वालों के लिए बहुत बड़ी बात है।

प्रधानमंत्री जी : सुनील जी अब आपकी बिटियाँ कैसी हैं, आजकल क्या कर रही हैं?

सुनील जी : जी मेरी बेटियाँ नंदनी और याचिका हैं। एक 7th क्लास में पढ़ रही है, एक 4th क्लास में पढ़ रही है और आपकी बड़ी प्रशंसक हैं। उन्होंने आपके लिए थैंक्यू प्राइम मिनिस्टर करके अपनी क्लासमेट्स जो हैं, लैटर भी लिखवाए थे असल में।

प्रधानमंत्री जी : वाह ! वाह ! अच्छा बिटियों को आप मेरा और 'मन की बात' के श्रोताओं का खूब सारा आशीर्वाद दीजिए।

सुनील जी : बहुत- बहुत शुक्रिया जी, आपकी वजह से देश की बेटियों के चेहरे पर लगातार मुस्कान बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री जी : बहुत-बहुत धन्यवाद सुनील जी।

सुनील जी : जी शुक्रिया।

साथियो, मुझे इस बात का बहुत संतोष है कि 'मन की बात' में हमने देश की नारी शक्ति की सैकड़ों प्रेरणादायी गाथाओं का ज़िक्र किया है। चाहे हमारी सेना हो या फिर खेल जगत हो, मैंने जब भी महिलाओं की उपलब्धियों पर बात की है, उसकी खूब प्रशंसा हुई है, जैसे हमने छत्तीसगढ़ के देउर गाँव की महिलाओं की चर्चा की थी। ये महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों के ज़रिए गाँव के चौराहों, सड़कों और मन्दिरों की सफाई के लिए अभियान चलाती हैं। ऐसे ही, तमिलनाडु की वो आदिवासी महिलाएँ, जिन्होंने हज़ारों इको-फ्रेंडली टेराकोटा कप्स निर्यात किए, उनसे भी देश ने खूब प्रेरणा ली। तमिलनाडु में ही 20 हज़ार महिलाओं ने साथ आकर वेल्लोर में नाग नदी को पुनर्जीवित किया था। ऐसे कितने ही अभियानों को हमारी नारी-शक्ति ने नेतृत्व दिया है और 'मन की बात' उनके प्रयासों को सामने लाने का मंच बना है।

साथियो, अब हमारे साथ फ़ोन लाइन पर एक और सज्जन मौजूद हैं। इनका नाम है, मंजूर अहमद। 'मन की बात' में जम्मू-कश्मीर की पेंसिल स्लेट्स के बारे में बताते हुए मंजूर अहमद जी का ज़िक्र हुआ था।

प्रधानमंत्री जी : मंजूर जी, कैसे हैं आप?

मंजूर जी : थैंक्यू सर...बड़े अच्छे से हैं सर।

प्रधानमंत्री जी : 'मन की बात' के इस 100वें एपिसोड में आपसे बात करके मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

मंजूर जी : थैंक्यू सर।

प्रधानमंत्री जी : अच्छा ये पेंसिल-स्लेट्स वाला काम कैसा चल रहा है?

मंजूर जी : बहुत अच्छे से चल रहा है सर, बहुत अच्छे से, जब से सर आपने हमारी बात, 'मन की बात' में कही, सर तब से बहुत काम बढ़ गया सर और दूसरों को भी रोज़गार यहाँ बहुत बढ़ा है इस काम में।

प्रधानमंत्री जी : कितने लोगों को अब रोज़गार मिलता होगा?

मंजूर जी : अभी मेरे पास 200 प्लस हैं...

प्रधानमंत्री जी : अरे वाह ! मुझे बहुत खुशी हुई।

मंजूर जी : जी सर..जी सर...अभी एक-दो महीने में इसको एक्सपेंड कर रहा हूँ और 200 लोगों को रोज़गार बढ़ जाएगा सर।

प्रधानमंत्री जी : वाह ! वाह ! देखिए मंजूर जी...

मंजूर जी : जी सर...

प्रधानमंत्री जी : मुझे बराबर याद है और उस दिन आपने मुझे कहा था कि ये एक ऐसा काम है, जिसकी न कोई पहचान है, न स्वयं की पहचान है और आपको बड़ी पीड़ा भी थी और इस वजह से आपको बड़ी मुश्किलें होती थीं, वो भी आप कह रहे थे, लेकिन अब तो पहचान भी बन गई और 200 से ज़्यादा लोगों को रोज़गार दे रहे हैं।

मंजूर जी : जी सर... जी सर।

प्रधानमंत्री जी : और नए एक्सपेंशन करके और 200 लोगों को रोज़गार दे रहे हैं, ये तो बहुत खुशी की खबर दी आपने।

मंजूर जी : केवल सर, यहाँ पर जो फॉर्मर हैं सर, उनका भी बहुत बड़ा इसमें फायदा मिला सर। तब से 2,000 का ट्री बेचते थे, अभी वही ट्री 5,000 तक पहुँच गया सर। इतनी डिमांड बढ़ गई है इसमें तब से..और इसमें अपनी पहचान भी बन गई है, इसमें बहुत से ऑर्डर हैं अपने पास सर, अभी मैं आगे एक-दो महीने में और एक्सपेंड करके और दो-ढाई सौ, दो-चार गाँव में जितने भी लड़के-लड़कियाँ हैं, इसमें एडजस्ट हो सकते हैं, उनका भी रोज़ी-रोटी चल सकता है सर।

प्रधानमंत्री जी : देखिए मंजूर जी, वोकल फ़ॉर लोकल की ताकत कितनी जबरदस्त है, आपने धरती पर उतार कर दिखा दिया है।

मंजूर जी : जी सर।

"हमें अपने हर संसाधन का पूरा इस्तेमाल करना होगा। ये आत्मनिर्भर भारत का भी मंत्र है, क्योंकि हम जब लोकल की ताकत पहचानेंगे, तभी तो देश आत्मनिर्भर होगा।"

प्रधानमंत्री जी : मेरी तरफ़ से आपको और गाँव के सभी किसानों को और आपके साथ काम कर रहे सभी साथियों को भी मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ, धन्यवाद भैया।

मंजूर जी : धन्यवाद सर।

साथियो, हमारे देश में ऐसे कितने ही प्रतिभाशाली लोग हैं, जो अपनी मेहनत के बलबूते ही सफलता के शिखर तक पहुँचे हैं। मुझे याद है, विशाखापट्टनम के वेंकट मुरली प्रसाद जी ने एक आत्मनिर्भर भारत चार्ट शेयर किया था। उन्होंने बताया था कि वो कैसे ज़्यादा-से-ज़्यादा भारतीय प्रोडक्ट्स ही इस्तेमाल करेंगे। जब बेतिया के प्रमोद जी ने एलईडी बल्ब बनाने की छोटी यूनिट लगाई या गढ़मुक्तेश्वर के संतोष जी ने मैट्स बनाने का काम किया, 'मन की बात' ही उनके उत्पादों को सबके सामने लाने का माध्यम बना। हमने मेक इन इंडिया के अनेक उदाहरणों से लेकर स्पेस स्टार्ट-अप्स तक की चर्चा 'मन की बात' में की है।

साथियो, आपको याद होगा, कुछ एपिसोड पहले मैंने मणिपुर की बहन बिजयाशांति देवी जी का भी ज़िक्र किया था। **बिजयाशांति जी कमल के रेशों से कपड़े बनाती हैं। 'मन की बात' में उनके इस अनोखे इको-फ्रेंडली आइडिया की बात हुई तो उनका काम और पोपुलर हो गया।** आज बिजयाशांति जी फ़ोन पर हमारे साथ हैं–

प्रधानमंत्री जी : नमस्ते बिजयाशांति जी ! How are you?

बिजयाशांति जी : Sir, I am fine.

प्रधानमंत्री जी : and how's your work going on?

बिजयाशांति जी : Sir, still working along with my 30 women.

प्रधानमंत्री जी : in such a short period you have reached 30 persons team !

बिजयाशांति जी : Yes sir, this year also more expand with 100 women in my area.

प्रधानमंत्री जी : So your target is 100 women.

बिजयाशांति जी : Yaa! 100 women.

प्रधानमंत्री जी : and now people are familiar with this lotus stem fiber.

बिजयाशांति जी : Yes sir, everyone know from 'Mann ki Baat' Programme all over India.

प्रधानमंत्री जी : So now it's very popular.

बिजयाशांति जी : Yes sir, from Prime Minister 'Mann ki Baat' programme everyone knows about lotus fibre.

प्रधानमंत्री जी : So now you got the market also ?

बिजयाशांति जी : Yes, I have got a market from USA, also they want to buy in bulk, in lots quantities, but I want to give from this year to send the U.S also.

प्रधानमंत्री जी : So, now you are exporter ?

बिजयाशांति जी : Yes sir, from this year I export our product made in India Lotus fibre.

प्रधानमंत्री जी : So, when I say Vocal for Local and now Local for Global.

बिजयाशांति जी : yes sir, I want to reach my product all over the globe of all world.

प्रधानमंत्री जी : So congratulation and wish you best luck.

बिजयाशांति जी : Thank you sir.

प्रधानमंत्री जी : Thank you, Thank you Vijaya Shanti.

बिजयाशांति जी : Thank You sir

साथियो, 'मन की बात' की एक और विशेषता रही है। **'मन की बात' के ज़रिए कितने ही जन आन्दोलन ने जन्म भी लिया है और गति भी पकड़ी है। जैसे हमारे खिलौने, हमारी टॉय इंडस्ट्री को फिर से स्थापित करने का मिशन 'मन की बात' से ही तो शुरू हुआ था। भारतीय नस्ल के श्वान हमारे देशी डॉग्स, उसको लेकर जागरूकता बढ़ाने की शुरुआत भी तो 'मन की बात' से ही की थी। हमने एक और मुहिम शुरू की थी कि हम ग़रीब छोटे दुकानदारों से मोलभाव नहीं करेंगे, झगड़ा नहीं करेंगे। जब 'हर घर तिरंगा' मुहिम शुरू हुई, तब भी 'मन की बात' ने देशवासियों को इस संकल्प से जोड़ने में खूब भूमिका निभाई। ऐसे हर उदाहरण, समाज में बदलाव का कारण बने हैं। समाज को प्रेरित करने का ऐसे ही बीड़ा प्रदीप सांगवान जी ने भी उठा रखा है। 'मन की बात' में हमने प्रदीप सांगवान जी के 'हीलिंग हिमालयाज़' अभियान की चर्चा की थी।** वो फ़ोनलाइन पर हमारे साथ हैं।

प्रधानमंत्री जी : प्रदीप जी नमस्कार !

प्रदीप जी : सर जय हिन्द।

प्रधानमंत्री जी : जय हिन्द, जय हिन्द, भैया ! कैसे हैं आप ?

प्रदीप जी : सर बहुत बढ़िया। आपकी आवाज सुनकर और भी अच्छा।

प्रधानमंत्री जी : आपने हिमालय को हील करने की सोची।

प्रदीप जी : हाँ जी सर।

प्रधानमंत्री जी : अभियान भी चलाया। आजकल आपका कैम्पन कैसा चल रहा है ?

प्रदीप जी : सर बहुत अच्छा चल रहा है। 2020 से ऐसा मानिए कि जितना काम हम पाँच साल में करते थे, अब वो एक साल में हो जाता है।

प्रधानमंत्री जी : अरे वाह !

प्रदीप जी : हाँ जी, हाँ जी, सर। शुरुआत बहुत नर्वस हुई थी। बहुत डर था इस बात को लेके कि ज़िन्दगी भर ये कर पाएँगे कि नहीं कर पाएँगे, पर थोड़ा सपोर्ट मिला और 2020 तक हम बहुत स्ट्रगल भी कर रहे थे ऑनेस्टली। लोग बहुत कम जुड़ रहे थे। बहुत सारे ऐसे लोग थे, जो कि सपोर्ट नहीं कर पा रहे थे। हमारी मुहिम को इतना तवज्जो भी नहीं दे रहे थे, बट 2020 के बाद जब 'मन की बात' में ज़िक्र हुआ, उसके बाद बहुत सारी चीज़ें बदल गईं। मतलब पहले हम साल में 6-7 क्लीनिंग ड्राइव कर पाते थे, 10 क्लीनिंग ड्राइव कर पाते थे। आज की डेट में हम डेली बेसेस पे पाँच टन कचरा इकट्ठा करते हैं, अलग-अलग लोकेशन से।

प्रधानमंत्री जी : अरे वाह !

प्रदीप जी : 'मन की बात' में ज़िक्र होने के बाद आप सर बिलीव करें मेरी बात को कि मैं ऑलमोस्ट गिव-अप करने की स्टेज पर था एक टाइम पे और उसके बाद फिर बहुत सारा बदलाव आया मेरे जीवन में और चीज़ें इतनी स्पीड-अप हो गईं कि जो चीजें हमने सोची नहीं थीं। सो आई एम रियली थैंकफुल कि पता नहीं कैसे हमारे जैसे लोगों को आप ढूँढ लेते हैं। कौन इतनी दूर-दराज़ एरिया में काम करता है। हिमालय के क्षेत्र में जाके बैठ के हम काम कर रहे हैं। इस एटीट्यूड पे हम काम कर रहे हैं। वहाँ पे आपने ढूँढ़ा हमें। हमारे काम को दुनिया के सामने ले के आए, तो मेरे लिए बहुत इमोशनल मोमेंट था, तब भी और आज भी कि मैं जो हमारे देश के जो प्रथम सेवक हैं, उनसे मैं बातचीत कर पा रहा हूँ। मेरे लिए इससे बड़े सौभाग्य की बात नहीं हो सकती।

प्रधानमंत्री जी : प्रदीप जी ! आप तो हिमालय की चोटियों पर सच्चे अर्थ में साधना कर रहे हैं और मुझे पक्का विश्वास है अब आपका नाम सुनते ही लोगों को याद आ जाता है कि आप कैसे पहाड़ों की स्वच्छता अभियान में जुड़े हैं।

प्रदीप जी : हाँ जी सर।

प्रधानमंत्री जी : और जैसा आपने

"आज़ादी के अमृत महोत्सव में हमारे देश के हर ज़िले में कम-से-कम 75 अमृत सरोवर बनाए जा सकते हैं।"

बताया कि अब तो बहुत बड़ी टीम बनती जा रही है और आप इतनी बड़ी मात्रा में डेली काम कर रहे हैं।

प्रदीप जी : हाँ जी सर।

प्रधानमंत्री जी : और मुझे पूरा विश्वास है कि आपके इन प्रयासों से, उसकी चर्चा से, अब तो कितने ही पर्वतारोही स्वच्छता से जुड़े फोटो पोस्ट करने लगे हैं।

प्रदीप जी : हाँ जी सर ! बहुत।

प्रधानमंत्री जी : ये अच्छी बात है, आप जैसे साथियों के प्रयास के कारण वेस्ट इज़ ऑलसो वेल्थ, ये लोगों के दिमाग में अब स्थिर हो रहा है और पर्यावरण की भी रक्षा अब हो रही है और हिमालय का जो हमारा गर्व है, उसको सम्भालना, सँवारना और सामान्य मानवों भी जुड़ रहा है। प्रदीप जी बहुत अच्छा लगा मुझे। बहुत-बहुत धन्यवाद भैया।

प्रदीप जी : थैंक यू सर, थैंक यू सो मच, जय हिन्द।

साथियो, आज देश में टूरिज्म बहुत तेज़ी से ग्रो कर रहा है। **हमारे ये प्राकृतिक संसाधन हों, नदियाँ, पहाड़, तालाब या फिर हमारे तीर्थ स्थल हों, उन्हें साफ़ रखना बहुत ज़रूरी है। ये टूरिज्म इंडस्ट्री की बहुत मदद करेगा। पर्यटन में स्वच्छता के साथ-साथ हमने इनक्रेडिबल इंडिया मूवमेंट की भी कई बार चर्चा की है।** इस मूवमेंट से लोगों को पहली बार ऐसी कितनी ही जगहों के बारे में पता चला, जो उनके आस-पास ही थीं। मैं हमेशा ही कहता हूँ कि हमें विदेशों में टूरिज्म पर जाने से पहले हमारे देश के कम से कम 15 टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर ज़रूर जाना चाहिए और यह डेस्टिनेशन जिस राज्य में आप रहते हैं, वहाँ के नहीं होने चाहिए, आपके राज्य से बाहर किसी अन्य राज्य के होने चाहिए। **ऐसे ही हमने स्वच्छ सियाचिन, सिंगल यूज़ प्लास्टिक और ई-वेस्ट जैसे गम्भीर विषयों पर भी लगातार बात की है। आज पूरी दुनिया पर्यावरण के जिस इशू को लेकर इतना परेशान है, उसके समाधान में 'मन की बात' का ये प्रयास बहुत अहम् है।**

साथियो, 'मन की बात' को लेकर मुझे इस बार एक और ख़ास सन्देश UNESCO की DG ओद्रे आज़ुले (Audrey Azoulay) का आया है। उन्होंने सभी

"हमारे अगले 25 साल का ये अमृतकाल हर देशवासी के लिए कर्तव्यकाल की तरह है।"

देशवासियों को सौ एपिसोड्स (100th Episodes) की इस शानदार जर्नी के लिए शुभकामनाएँ दी हैं, साथ ही उन्होंने कुछ सवाल भी पूछे हैं। आइए, पहले UNESCO की DG के 'मन की बात' सुनते हैं।

DG UNESCO: Namaste Excellency, Dear Prime Minister on behalf of UNESCO I thank you for this opportunity to be part of the 100th episode of the 'Mann Ki Baat' Radio broadcast. UNESCO and India have a long common history. We have very strong partnerships together in all areas of our mandate – education, science, culture and information and I would like to take this opportunity today to talk about the importance of education. UNESCO is working with its member states to ensure that everyone in the world has access to quality education by 2030. With the largest population in the world, could you please explain Indian way to achieving this objective. UNESCO also works to support culture and protect heritage and India is chairing the G-20 this year. World leaders would be coming to Delhi for this event. Excellency, how does India want to put culture and education at the top of the international agenda? I once again thank you for this opportunity and convey my very best wishes through you to the people of India....see you soon. Thank you very much.

PM Modi : Thank you, Excellency. I am happy to interact with you in the 100th 'Mann ki Baat' programme. I am also happy that you have raised the important issues of education and culture.

साथियो, UNESCO की DG ने एजुकेशन और कल्चरल प्रिजर्वेशन, यानी शिक्षा और संस्कृति संरक्षण को लेकर भारत के प्रयासों के बारे में जानना चाहा है। ये दोनों ही विषय 'मन की बात' के पसंदीदा विषय रहे हैं।

बात शिक्षा की हो या संस्कृति की, उसके संरक्षण की बात हो या संवर्धन की, भारत की यह प्राचीन परम्परा रही है। इस दिशा में आज देश जो काम कर रहा है, वो वाकई बहुत सराहनीय है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी हो या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई का विकल्प हो, एजुकेशन में टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन हो, आपको ऐसे अनेक प्रयास देखने को मिलेंगे। वर्षों पहले गुजरात में बेहतर शिक्षा देने और ड्रॉपआउट रेट्स को कम करने के लिए 'गुणोत्सव और शाला प्रवेशोत्सव' जैसे

"अपनी कला-संस्कृति के प्रति देशवासियों का ये उत्साह 'अपनी विरासत पर गर्व' की भावना का ही प्रकटीकरण है।"

कार्यक्रम जनभागीदारी की एक अद्भुत मिसाल बन गए थे। 'मन की बात' में हमने ऐसे कितने ही लोगों के प्रयासों को हाइलाइट किया है, जो निःस्वार्थ भाव से शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। **आपको याद होगा, एक बार हमने ओडिशा में ठेले पर चाय बेचने वाले स्वर्गीय डी. प्रकाश राव जी के बारे में चर्चा की थी, जो ग़रीब बच्चों को पढ़ाने के मिशन में लगे हुए थे। झारखंड के गाँवों में डिज़िटल लाइब्रेरी चलाने वाले संजय कश्यप जी हों, कोविड के दौरान इ-लर्निंग के ज़रिए कई बच्चों की मदद करने वाली हेमलता एन. के. जी हों, ऐसे अनेक शिक्षकों के उदाहरण हमने 'मन की बात' में लिए हैं। हमने कल्चरल प्रिजर्वेशन के प्रयासों को भी 'मन की बात' में लगातार जगह दी है।**

लक्षदीप का कुम्मेल ब्रदर्स चैलेंज क्लब हो, या कर्नाटका के 'क्वेमश्री जी' 'कला चेतना' जैसे मंच हों, देश के कोने-कोने से लोगों ने मुझे चिट्ठी लिखकर ऐसे उदाहरण भेजे हैं। हमने उन तीन कॉम्पटीशन को लेकर भी बात की थी, जो देशभक्ति पर 'गीत' 'लोरी' और 'रंगोली' से जुड़े थे। आपको ध्यान होगा, एक बार हमने देश भर के स्टोरी टेलर से स्टोरी टेलिंग के माध्यम से शिक्षा की भारतीय विधाओं पर चर्चा की थी। मेरा अटूट विश्वास है कि सामूहिक प्रयास से बड़े-से-बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। इस साल हम जहाँ आज़ादी के अमृतकाल में आगे बढ़ रहे हैं, वहीं G-20 की अध्यक्षता भी कर रहे हैं। यह भी एक वजह है कि एजुकेशन के साथ-साथ ड्राइवर्स ग्लोबल कल्चर को समृद्ध करने के लिए हमारा संकल्प और मज़बूत हुआ है।

मेरे प्यारे देशवासियो, हमारे उपनिषदों का एक मंत्र सदियों से हमारे मानस को प्रेरणा देता आया है।

चरैवेति चरैवेति चरैवेति।

चलते रहो-चलते रहो-चलते रहो।

आज हम इसी चरैवेति चरैवेति की भावना के साथ 'मन की बात' का 100वाँ एपिसोड पूरा कर रहे हैं। **भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने में 'मन की बात', किसी भी माला के धागे की तरह है, जो हर मनके को जोड़े रखता है। हर एपिसोड में देशवासियों के सेवा और सामर्थ्य ने दूसरों को प्रेरणा दी है। इस कार्यक्रम में हर देशवासी दूसरे देशवासी की प्रेरणा बनता है। एक तरह से 'मन की बात' का हर एपिसोड अगले एपिसोड के लिए ज़मीन तैयार करता है। 'मन की बात' हमेशा सद्भावना, सेवा-भावना और कर्तव्य-भावना से ही आगे बढ़ा है। आज़ादी के अमृतकाल में यही पाजिटिविटी देश को आगे ले जाएगी, नई ऊँचाई पर ले जाएगी और मुझे खुशी है कि 'मन की बात' से जो शुरुआत हुई, वो आज देश की नई परम्परा भी बन रही है। एक ऐसी परम्परा, जिसमें हमें सबका प्रयास की भावना के दर्शन होते हैं।**

साथियो, मैं आज आकाशवाणी के साथियों को भी धन्यवाद दूँगा, जो बहुत धैर्य के साथ इस पूरे कार्यक्रम को रिकॉर्ड करते हैं। वो ट्रांस्लेटर्स, जो बहुत ही कम समय में, बहुत तेज़ी के साथ 'मन की बात' का विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करते हैं, मैं उनका भी आभारी हूँ। मैं दूरदर्शन के और MyGov के साथियों को भी धन्यवाद देता हूँ। देशभर के टीवी चैनल इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लोग, जो 'मन की बात' को बिना कमर्शियल ब्रेक के दिखाते हैं, उन सभी का मैं आभार व्यक्त करता हूँ और आखिरी में, **मैं उनका भी आभार व्यक्त करूँगा, जो 'मन की बात' की कमान सँभाले हुए हैं– भारत के लोग, भारत में आस्था रखने वाले लोग। ये सब कुछ आपकी प्रेरणा और ताकत से ही सम्भव हो पाया है।**

साथियो, वैसे तो मेरे मन में आज इतना कुछ कहने को है कि समय और शब्द, दोनों कम पड़ रहे हैं, लेकिन मुझे विश्वास है कि आप सब मेरे भावों को समझेंगे, मेरी भावनाओं को समझेंगे। आपके परिवार के ही एक सदस्य के रूप में 'मन की बात' के सहारे आपके बीच में रहा हूँ, आपके बीच में रहूँगा। अगले महीने हम एक बार फिर मिलेंगे। फिर से नए विषयों और नई जानकारियों के साथ देशवासियों की सफलताओं को सेलिब्रेट करेंगे, तब तक के लिए मुझे विदा दीजिए और अपना और अपनों का खूब ख्याल रखिए। बहुत-बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

'मन की बात' सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें।

मन की बात

प्रधानमंत्री द्वारा विशेष उल्लेख

ओद्रे आज़ुले
महानिदेशक यूनेस्को

'मन की बात' : विश्व रेडियो विरासत का एक स्मारक

माध्यम ही सन्देश है, यह बात आज के सन्दर्भ में रेडियो के लिए बिल्कुल सटीक बैठती है।

एक सदी पहले अपने आविष्कार के बाद से रेडियो हम सभी के जीवन का हिस्सा रहा है। पारम्परिक एएम और एफएम फ्रिक्वेन्सियों से लेकर दूरगामी लॉन्ग वेब तक और अब डिजिटल रेडियो, वेब रेडियो तथा पॉडकास्ट के बढ़ते दायरे में विस्तार करते हुए, इसकी पहुँच लगातार बढ़ रही है। यह वास्तव में एक सार्वभौमिक माध्यम है।

रेडियो निकटता, अपनत्व और विविधता का सन्देश भी देता है। कोई अन्य माध्यम नहीं हो सकता है, जो इस प्रकार की सामग्री तथा कार्यक्रमों का निर्माण करता हो, जिनमें विचारों की बहुलता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति हो, यहाँ तक कि बड़ी संख्या में भाषाओं में उपलब्ध भी हो।

यही सब इसे संकट की स्थितियों में इतना मूल्यवान सहयोगी बनाता है। यूनेस्को ने सब-सहारा अफ्रीका में इस क्षमता का उपयोग किया। कोविड महामारी के कारण अलग-थलग रहने और स्कूल जाने से वंचित बच्चों के लिए एयरवेव्स के माध्यम से एक शिक्षण विधि तैयार की और हमने शिक्षण के लिए रेडियो का उपयोग करना जारी रखा है।

उदाहरण के लिए अफगानिस्तान में हम लाखों युवा अफगानों को स्वास्थ्य और सुरक्षा से सम्बन्धित सामग्री प्रसारित करने के लिए स्थानीय स्टेशनों के साथ काम करते हैं।

रेडियो स्वतंत्रता का सन्देश भी देता है, क्योंकि यह दुनिया के लिए एक खिड़की है। अपने आविष्कार के एक शताब्दी बाद रेडियो अब भी सबसे प्रतिक्रियाशील, आकर्षक मीडिया में से एक है, जो संवाद करने और बातचीत में भाग लेने के नए तरीके पेश करता है, खासकर वंचित वर्ग के लिए। यूनेस्को यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है कि यह प्रेस की स्वतंत्रता और मीडिया की बहुलता की रक्षा में ऐसा ही बना रहे।

इन सभी कारणों से यूनेस्को हर साल 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस समारोहपूर्वक मनाता है, साथ ही इस तरह के प्रकाशनों के माध्यम से भी इसकी प्रशंसा करता है। प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम निश्चित रूप से सबसे प्रसिद्ध कार्यक्रमों में से एक है, जिसके 50 से अधिक भाषाओं और बोलियों में करोड़ों श्रोता हैं। यह पुस्तक केवल इस असाधारण प्रसारण के बारे में नहीं है, यह लोगों को एक साथ लाने के लिए रेडियो की अद्भुत शक्ति की साक्षी भी है।

अतः यह पुस्तक दुनिया की रेडियो विरासत के एक स्मारक को श्रद्धांजलि अर्पित करने और सभी को रेडियो और इसके मूल्यों का जश्न मनाने का आह्वान करने का अवसर है।

यह सन्देश 26 अप्रैल, 2023 को रिलीज़ की गई ख़ास पुस्तक 'मेरे प्यारे देशवासियो' के लिए यूनेस्को की महानिदेशक ओद्रे आज़ुले द्वारा लिखा गया था।

मन की बात
100वें अंक तक की यात्रा

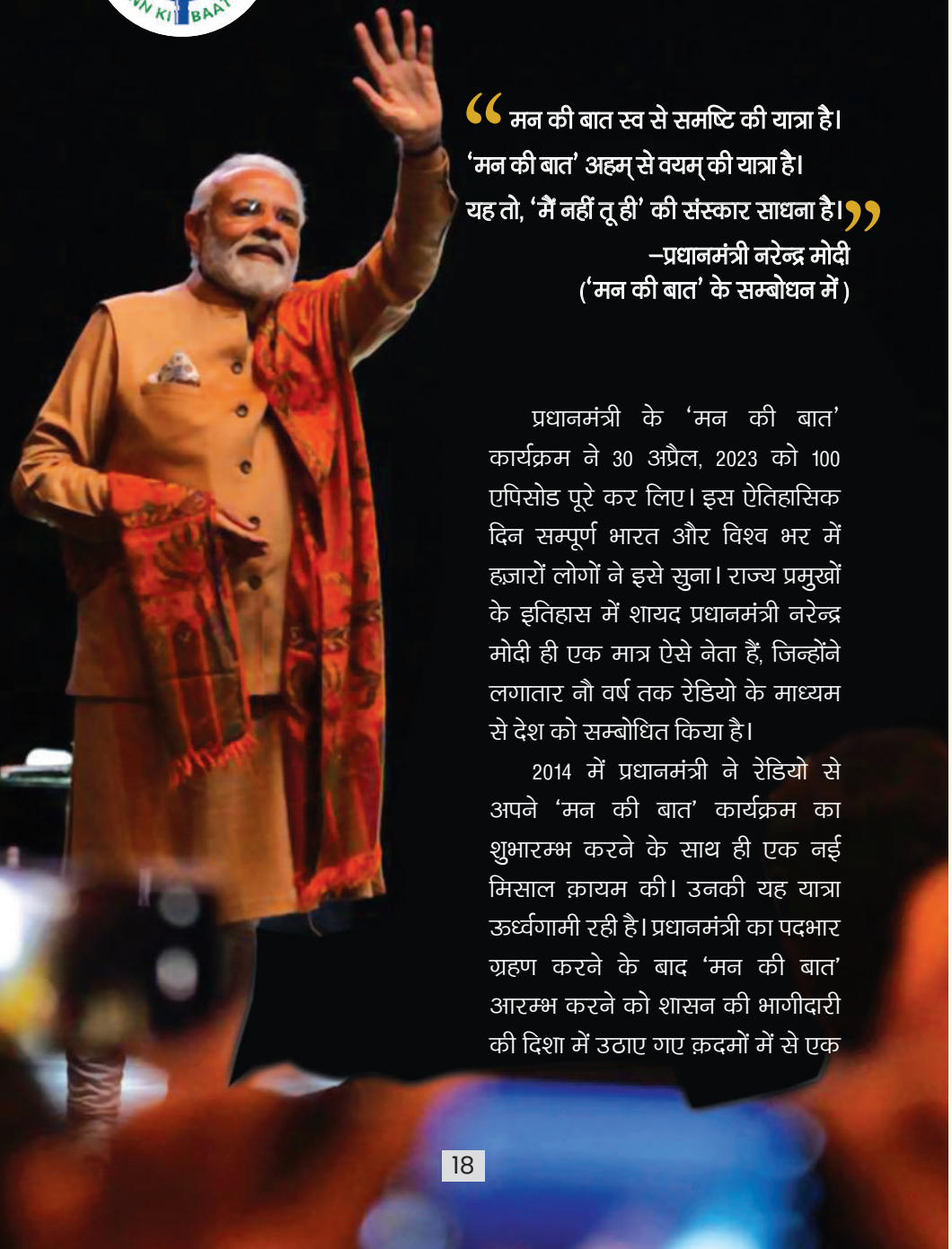

“मन की बात स्व से समष्टि की यात्रा है।
‘मन की बात’ अहम् से वयम् की यात्रा है।
यह तो, ‘मैं नहीं तू ही’ की संस्कार साधना है।”

–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(‘मन की बात’ के सम्बोधन में)

प्रधानमंत्री के ‘मन की बात’ कार्यक्रम ने 30 अप्रैल, 2023 को 100 एपिसोड पूरे कर लिए। इस ऐतिहासिक दिन सम्पूर्ण भारत और विश्व भर में हज़ारों लोगों ने इसे सुना। राज्य प्रमुखों के इतिहास में शायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही एक मात्र ऐसे नेता हैं, जिन्होंने लगातार नौ वर्ष तक रेडियो के माध्यम से देश को सम्बोधित किया है।

2014 में प्रधानमंत्री ने रेडियो से अपने ‘मन की बात’ कार्यक्रम का शुभारम्भ करने के साथ ही एक नई मिसाल क़ायम की। उनकी यह यात्रा ऊर्ध्वगामी रही है। प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद ‘मन की बात’ आरम्भ करने को शासन की भागीदारी की दिशा में उठाए गए क़दमों में से एक पहल कहा जा सकता है। यह एक ऐसा माध्यम है, जिसकी मदद से वे राष्ट्र तक पहुँच सकते हैं और यह एक ऐसा मंच भी है, जो नागरिकों को नेता तक पहुँचने में सक्षम बनाता है। निःसन्देह यह जन भागीदारी की दिशा में बढ़ा एक क़दम था। तब से प्रधानमंत्री विभिन्न मुद्दों पर अपने रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से भारत के नागरिकों को सम्बोधित कर रहे हैं, नागरिकों को राष्ट्रीय महत्त्व के मुद्दों और विचारों में शामिल कर रहे हैं। यह कार्यक्रम निर्विवाद रूप से राष्ट्र के सामूहिक विवेक और ‘सबका प्रयास’ की भावना का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने 100वें अंक में कहा कि ‘मन की बात’ उनके लिए केवल एक प्रसारण नहीं है, बल्कि “आस्था और आध्यात्मिक यात्रा का विषय” है। उन्होंने कहा, “मेरे लिए ‘मन की बात’ एक आस्था, पूजा, एक व्रत है। मेरे लिए ‘मन की बात’ ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के चरणों में प्रसाद के थाल के समान है।”

प्रधानमंत्री ने कहा कि ‘मन की बात’ उनके लिए दूसरों के गुणों से सीखने का एक अच्छा माध्यम है। वह देश के कोने-कोने में, ज़मीनी स्तर पर, कई क्षेत्रों में किए गए प्रयासों की सराहना करते हैं। कार्यक्रम में व्यक्तिगत सफलता की कहानियों को शामिल करना न केवल प्रधानमंत्री के लिए, बल्कि भारतीय जनता के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हुआ है।

केवल यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ‘मन की बात’ के माध्यम से सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों, चाहे वो बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ हो या पोषण अभियान, मुद्रा स्कीम हो या खेलो इंडिया, उज्ज्वला योजना हो या स्टार्ट अप इंडिया, अमृत सरोवर हो या फ़िट इंडिया, इन सब के बारे में जागरूकता पैदा करने का उत्तरदायित्व उन्होंने अपने ऊपर ले लिया। यह अनूठा कार्यक्रम सरकार को नागरिकों के क़रीब लाकर सम्प्रेषण का दोतरफ़ा माध्यम बना है। प्रधानमंत्री को लोगों से मिलने वाले पत्र हों या ‘मन की बात’ के माध्यम से टेलिफ़ोन पर उनसे की गई बातचीत – किसी निर्वाचित नेता और जनसमूह के बीच सम्प्रेषण का ऐसा माध्यम, लोकतंत्र और शासन में लोगों की अटूट आस्था को मज़बूत करता है।

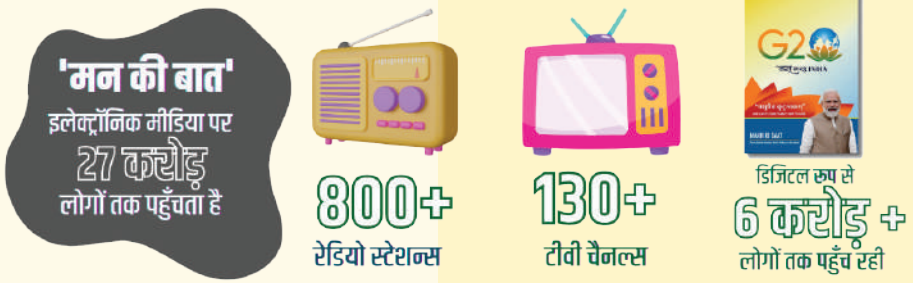

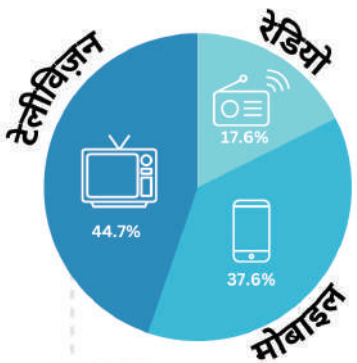

62%
19-34 वर्ष की आयु के श्रोता मोबाइल के माध्यम से 'मन की बात' देखना/सुनना पसंद करते हैं

3.2%
60 वर्ष से ऊपर के श्रोता 'मन की बात' के लिए टेलीविज़न को तरजीह देते हैं

और यह हाल में भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रोहतक के एक सर्वेक्षण से स्पष्ट हुआ है। इस सर्वेक्षण में पाया गया कि ‘मन की बात’ कार्यक्रम 100 करोड़ लोगों तक पहुँचा, जिनमें से 23 करोड़ नियमित रूप से इसे सुनते आ रहे हैं, जबकि अन्य 41 करोड़ कभी-कभी सुनते हैं, जोकि इसके नियमित श्रोता बन सकते हैं। अधिकांश श्रोता सरकार की कार्यप्रणाली से अवगत हो चुके हैं और 73 प्रतिशत आशावादी हैं और महसूस करते हैं कि देश प्रगति कर रहा है। 58 प्रतिशत श्रोताओं का कहना था कि उनका रहन-सहन बेहतर हुआ है, जबकि 59 प्रतिशत ने सरकार में विश्वास बढ़ने की बात कही है। 60 प्रतिशत लोगों ने राष्ट्र निर्माण के लिए काम करने में रुचि दिखाई है और 63 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि ‘मन की बात’ सुनने के बाद सरकार के प्रति उनका दृष्टिकोण सकारात्मक हुआ है।

सर्वेक्षण के अनुसार प्रधानमंत्री को देशवासी जानकार मानते हैं और उनका कहना है कि प्रधानमंत्री लोगों के साथ सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण के अलावा भावनात्मक रूप से भी जुड़े हैं।

आकाशवाणी के विशाल नेटवर्क, निजी और सामुदायिक रेडियो केन्द्रों की मदद से प्रधानमंत्री सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता वाली आबादी तक पहुँचे और उन्हें न केवल सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मुद्दों के बारे में प्रेरित और उत्साहित किया, बल्कि आज विश्व के समक्ष मौजूद जलवायु परिवर्तन, कचरा प्रबन्धन और ऊर्जा संकट जैसी चुनौतीपूर्ण समस्याओं के प्रति भी जागरूक किया है।

शुरुआत से ही ‘मन की बात’ जन आन्दोलन के एक प्रभावी साधन के रूप में उभरा, जिसने देश भर में सामाजिक अभियानों में समुदायों को शामिल होने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छ भारत अभियान का आरम्भ हो या भारत के खिलौना उद्योग को फिर से स्थापित करना, कुत्तों की भारतीय नस्लों के प्रति जागरूकता बढ़ाना हो या हर घर तिरंगा अभियान... ये जन आन्दोलन के ऐसे कुछ उदाहरण हैं, जिनमें ‘मन की बात’ ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और देशवासियों को इन संकल्पों से जोड़ा।

यहाँ तक कि संकट काल में भी इस कार्यक्रम ने लोगों को सरकार के कल्याणकारी उपायों के बारे में जानकारी दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोविड-19 को वैश्विक महामारी की घोषणा किए जाने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने ‘मन की बात’ के अनेक प्रसारणों में केवल इस बीमारी की चर्चा की और सरकार के विभिन्न उपायों और पहलों की जानकारी दी, जिनसे नागरिक लाभ उठा सकते थे। प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन के दौरान हमारे मानसिक स्वास्थ्य के जोखिम की भी विस्तार से चर्चा की। मानवीय

इतिहास के अँधियारे कालों में से एक कोविड काल के दौरान ‘मन की बात’ अपने साथ आशा की एक किरण लेकर आती थी, विशेषकर उन लोगों के लिए, जो आइसोलेशन में थे।

सरकार के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने के अलावा प्रधानमंत्री ‘मन की बात’ के माध्यम से विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों जैसे– स्वास्थ्य, खेल, नवाचार, पर्यावरण, स्वच्छ ऊर्जा आदि पर जनता को शिक्षित भी करते हैं। ‘मन की बात’ कार्यक्रम पारम्परिक भारतीय संस्कृति, कला और विरासत उजागर करके लोगों को उनकी जड़ों से जोड़ने पर भी केन्द्रित है। कार्यक्रम में अक्सर योग और आयुर्वेद का ज़िक्र किया जाता है, जिससे उनकी बढ़ती लोकप्रियता को बढ़ावा मिलता है। अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने समय-समय पर भारत की

अन्य: असमिया (20%), मिज़ो (20%), बांग्ला (10%), गुजराती (10%), मैथिली (10%), कश्मीरी (10%), उड़िया (10%), तेलुगु (10%)

Mann ki Baat मन की बात

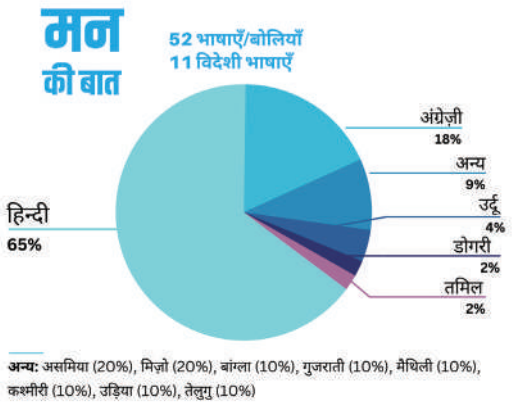

समृद्ध वास्तुकला, कला और संस्कृति तथा परम्पराओं पर प्रकाश डाला है।

एक ऐसा युग, जिसमें नए डिजिटल प्लेटफार्मों का महत्त्व लगातार बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकतांत्रिक संचार के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में रेडियो में फिर से प्राण फूँकने और उसे मुख्यधारा में लाने के लिए परम्परागत ध्वनि-तरंगों पर ही विश्वास किया। 'मन की बात' लोकतंत्र के सदियों पुराने मूल्यों को मज़बूत करने के साथ ही समाज की प्रगति के लिए तैयार किया गया कार्यक्रम है। यह सार्वजनिक संचार माध्यम को एक नए स्तर पर ले जाने की भारत के प्रधानमंत्री की अनूठी पहल है; यह अपनी तरह का पहला रेडियो शो है, जिसकी मेज़बानी प्रधानमंत्री करते हैं, लेकिन यह देश के लोगों के सपनों का नया भारत बनाने की दिशा में उन्हीं के विचारों, आकांक्षाओं, आशाओं और योगदान पर आधारित है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नवाचार, प्रयोग और नागरिक भागीदारी के सिद्धान्तों से ओत-प्रोत 'मन की बात' वास्तव में शासन का एक नया प्रतिमान है, जो मौजूदा जटिल चुनौतियों का सामना करने के लिए निरन्तर विकसित हो रहा है और भारत का उज्जवल भविष्य बनाने हेतु सतत क्रियाशील है।

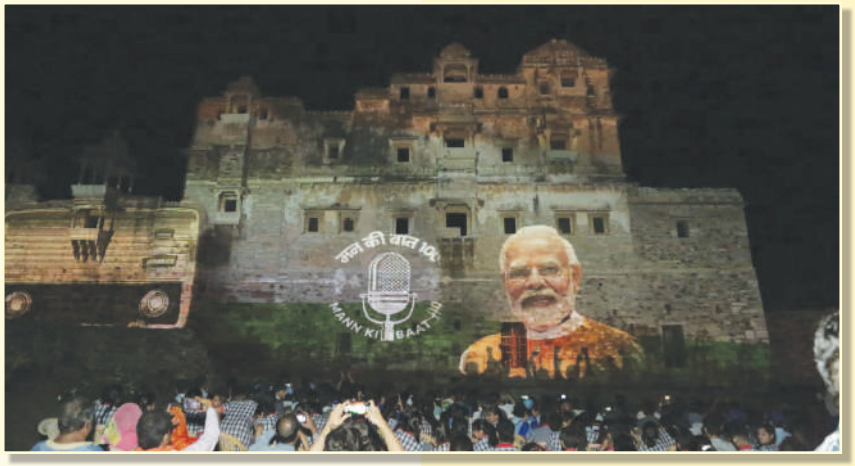

'मन की बात'

'मन की बात' अपनी विषयवस्तु, डिज़ाइन, बातचीत, लोगों और समाज के साथ संवाद करने के अभिनव तरीके के सन्दर्भ में एक अनूठी पहल है और यह देशभर के लोगों को जोड़ती है। इसका प्राथमिक उद्देश्य भारत के प्रधानमंत्री और उसके नागरिकों के बीच सीधा सम्बन्ध बनाना है।

संचार के माध्यम
से शासन को फिर से परिभाषित करता

एक अनूठा कार्यक्रम, जिसने संचार का लोकतंत्रीकरण किया और शासन को मज़बूत किया

सन्देश से
आन्दोलन तक

जनभागीदारी के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली मंच

भारत के
गुमनाम नायकों पर स्पॉटलाइट

आम लोगों की प्रेरणादायी कहानियों को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करता

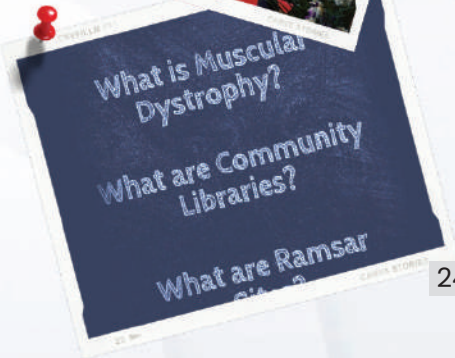

लोगों
को शिक्षित करता

विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर जानकारी का एक प्रभावी स्रोत

एक रेडियो क्रांति

लोकतंत्र के सदियों पुराने मूल्यों को मज़बूत करते हुए समाज की प्रगति के लिए 'मन की बात' एक उपकरण के रूप में उभरा है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नवाचार, प्रयोग और नागरिक भागीदारी के सिद्धान्तों पर कायम 'मन की बात' शासन के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।

जागरूकता
पैदा करने का माध्यम

देशभर की नागरिक-कल्याण योजनाओं और नीतियों पर ज़ोर देता

राष्ट्र निर्माण
निर्माण और विकास को बढ़ावा

नागरिकों में भारतीय संस्कृति पर गर्व और राष्ट्रवाद की भावना पैदा करता

राष्ट्र की
प्रगति को दर्शाता

राष्ट्रीय माइलस्टोंस और विकास का अवलोकन करने के लिए एक मंच

लोकतंत्र
में लोगों के विश्वास को मज़बूत करता

नागरिक संलग्नता और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से स्थायी प्रभाव पैदा करता

नेशनल कॉन्क्लेव मन की बात@100

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' के शताब्दी अंक के महत्त्वपूर्ण अवसर पर 26 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में इस रेडियो कार्यक्रम की निरंतर सफलता का जश्न मनाने के लिए एक दिवसीय स्टार-स्टडेड नेशनल कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। आने वाले समय में असीमित सम्भावनाओं को उजागर करने के उद्देश्य से और साथ ही 'मन की बात' से सक्षम शासन में रचनात्मक हलचल पर चर्चा करने के लिए इस कॉन्क्लेव ने संवाद के लिए एक मंच स्थापित किया, जहाँ चार सत्रों में चर्चा हुई।

इस मेगा कॉन्क्लेव में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, उनकी पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय सूचना और प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर; केंद्रीय रेल और संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी, अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ शामिल थे।

इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति द्वारा एक विशेष पुस्तक 'मेरे प्यारे देशवासियो...' का विमोचन किया गया। पुस्तक में 106 चेंजमेकर्स की प्रेरक कहानियों पर प्रकाश डाला गया है, जिनके क्रांतिकारी प्रयासों को पिछले 99 एपिसोड्स के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में शामिल किया गया।

"मन की बात, वास्तव में, हमारी सभ्यता और लोकाचार की भावना का प्रतिबिंब है। साथ ही यह 'इंडिया@100' की नींव बन जाएगा"

- जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

"मैं मन की बात को *PERFECT Communication* मानता हूँ। *P- Peace, E-Empowerment, R- Reflective, F-Festive, E- Economic Development, C- Caring and T- Thoughtful.*"

-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

"मन की बात कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम के इर्दगिर्द बुना गया है। इस कार्यक्रम ने लोगो की उपलब्धियों को देश के प्रत्येक घर तक पहुँचाकर उनकों और अधिक प्रेरित करने का काम किया है।"

-अनुराग सिंह ठाकुर, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

'मन की बात' के 100 एपिसोड पूरे होने की ऐतिहासिक घटना को स्मरणीय बनाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह द्वारा समापन सत्र में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया गया।

विषयगत सत्र
मन की बात@100

सत्र 1 नारी शक्ति

सत्र ने राष्ट्र निर्माण के लिए महिलाओं को प्रभावी ढंग से सशक्त बनाने में 'मन की बात' के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला। पैनल में थे डॉ. किरण बेदी, भारत की पैरा-स्पोर्ट्स की ध्वजवाहक दीपा मलिक, रवीना टंडन, द बेटर इंडिया के संस्थापक धीमंत पारेख, बॉक्सर निख़त ज़रीन, आर जे नितिन, पूर्णा मालावथ और ऋचा अनिरुद्ध।

सत्र 2 विरासत का उत्थान

इस सत्र में लोगों को भारत की जड़ों और परम्पराओं के करीब लाने में 'मन की बात' के असाधारण प्रभाव पर चर्चा की गई। इस सत्र में नीलेश मिश्रा, रिकी केज, पल्की शर्मा उपाध्याय, आर जे सिद्धार्थ कनन, शोभना चंद्रकुमार, पर्यावरण संरक्षणवादी जगत किंखाबवाला और सेव चिट्टे लुई समन्वय समिति के संस्थापक रोचमलियाना शामिल थे।

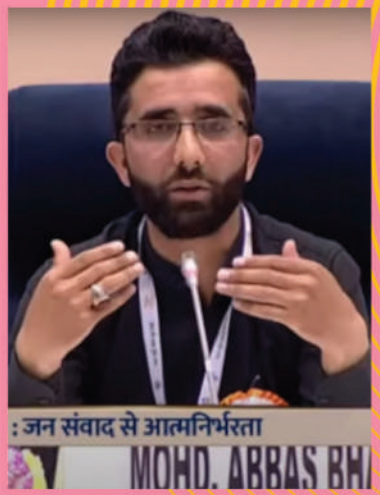

सत्र 3 जन संवाद से आत्मनिर्भरता

इस सत्र में भारत में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में 'मन की बात' के महत्त्व की चर्चा की गई। पैनल में योर स्टोरी मीडिया की संस्थापिका और सीईओ श्रद्धा शर्मा, संजीव बिखचंदानी, आर जे रौनक, टी. वी. मोहनदास पई, दलित इंडियन चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि कुमार नर्रा और डल झील लोटस स्टेम FPO के प्रमुख मो. अब्बास भट्ट शामिल थे।

सत्र 4 आह्वान से जन आन्दोलन

इस सत्र में इस बात पर चर्चा की गई कि कैसे 'मन की बात' एक ऐसा मंच बन गया, जहाँ से स्वच्छ भारत अभियान से लेकर हर घर तिरंगा तक कई महत्त्वपूर्ण जन आन्दोलनों की शुरुआत हुई। पैनल में थे आर जे शरत, आमिर खान, डॉ. शशांक जोशी, एंडोक्रोनोलॉजिस्ट और डायबेटोलॉजिस्ट, दीपमाला पांडे, 'वन टीचर वन कॉल' की संस्थापिका; ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे की संस्थापिका करिश्मा मेहता, जामिया मिलिया इस्लामिया की वाइस चांसलर प्रो. नजमा अख्तर।

"दो चीजें हैं, जो समाज में बड़ा बदलाव लाने के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं: लोगों को प्रेरित करना और लोगों में जागरूकता पैदा करना और 'मन की बात' ने हमें प्रेरित किया है और लोगों में जागरूकता फैलाई है।"

-धीमंत पारेख

"प्रधानमंत्री ने रेडियो को एक ऐसे माध्यम के रूप में चुना, जो अमीर और गरीब, सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध है और इसका समाज पर समकारी प्रभाव पड़ा है।"

-प्रो. नज़मा अख़्तर

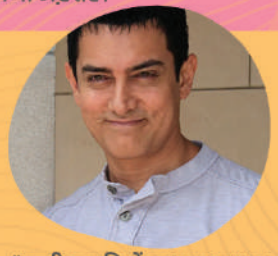

"सच्ची कहानियों का गहरा प्रभाव होता है और यही 'मन की बात' कर रहा है।"

- आमिर खान

"भारत एक विशाल राष्ट्र है, जो विभिन्न प्रकार के जातीय समूहों और सांस्कृतिक प्रथाओं का घर है और प्रधानमंत्री की 'मन की बात' ने लोगों को हमारे विरासत के स्थानों की यात्रा करने और संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया है।"

-शोभना चंद्रकुमार

'मेरे प्यारे देशवासियो...'

प्रेरक कहानियों का जश्न मनाती एक अनूठी कॉफ़ी टेबल बुक

'मन की बात' कार्यक्रम के पिछले 100 एपिसोड के दौरान प्रधानमंत्री ने देश भर के 700 से अधिक चेंजमेकर्स की आकर्षक कहानियों को लगातार साझा किया है। उन्होंने आम लोगों के दृढ़ संकल्प और उनके द्वारा किए गए कामों की शक्ति को उजागर कर देशवासियों को बेहतर भविष्य के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

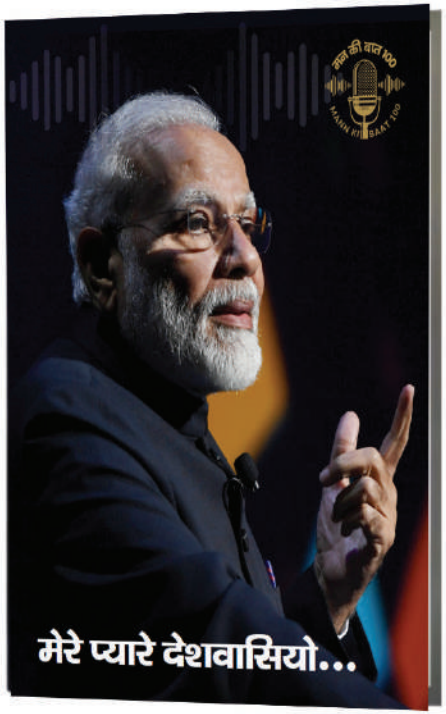

26 अप्रैल, 2023 को भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कॉफ़ी टेबल बुक 'मेरे प्यारे देशवासियो...' का विमोचन किया।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित यह पुस्तक, रेडियो कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा उल्लिखित 100 से अधिक व्यक्तियों की प्रेरक कहानियों की झलक प्रस्तुत करती है।

"'मन की बात' दूसरों के गुणों से सीखने का एक बड़ा माध्यम बन गया है। हमें हमेशा दूसरे के गुणों की स्तुति करनी चाहिए। चाहे वह आपका हमवतन है या आपका विरोधी, हमें हमेशा उनके अच्छे गुणों पर ध्यान केंद्रित कर उनसे सीखने की कोशिश करनी चाहिए। मेरे लिए 'मन की बात' दूसरों के गुणों की पूजा करने जैसा रहा है।"

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
('मन की बात' के 100वें सम्बोधन में)

100 से अधिक प्रेरक कहानियों को कवर करने वाले 11 प्रमुख विषय

विशेष पुस्तक को पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

'मन की बात' के 100वें एपिसोड का विशेष प्रसारण

'मन की बात' के 100वें एपिसोड का लाइव टेलीकास्ट 30 अप्रैल, 2023 को देश भर के राजभवनों में दूरदर्शन द्वारा किया गया था। रेडियो कार्यक्रम के पिछले 100 एपिसोड्स में प्रधानमंत्री द्वारा जिन नागरिकों का उल्लेख किया गया है, वे राज्य के राज्यपालों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ इस कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित थे।

तिरुवनंतपुरम

हैदराबाद

पटना

मुम्बई

मुम्बई

इम्फाल

आकाशवाणी रंग भवन, नई दिल्ली

अगरतला

गोवा

ओडिशा

न्यूज़ीलैंड

बर्लिन

संयुक्त राज्य अमेरिका

'मन की बात' की 100वीं कड़ी न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर के भारतीय उच्चायोगों में भी सुनी गई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान लाइव प्रसारण को सुना, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह लंदन में भारतीय उच्चायोग में अधिकारियों और भारतीय प्रवासियों के साथ मौजूद इस कार्यक्रम को सुनने के लिए थे।

नारी शक्ति : विकसित भारत की जीवन शक्ति

रवीना टंडन
अभिनेत्री

पूरे इतिहास में महिलाओं ने न केवल स्थायित्व सुनिश्चित किया है, बल्कि राष्ट्रों के दीर्घकालिक विकास में भी योगदान दिया है। जब हम अपने देश की बात करते हैं, तो भारत के इतिहास में ऐसी कई प्रेरक महिलाएँ रही हैं, जिन्होंने लोगों का नेतृत्व किया और अन्य महिलाओं के लिए इसके अनुसरण का मार्ग प्रशस्त किया। आज, हमारे देश की महिलाएँ लैंगिक बाधाओं को तोड़ रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों में बाधाओं से ऊपर उठ रही हैं।

महिला सशक्तीकरण का मुद्दा प्रधानमंत्री के दिल के करीब है। कई मौकों पर उन्होंने इसके बारे में बात की है कि कैसे नारी शक्ति एक विकसित भारत की जीवन शक्ति है। प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' ने अपने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। यह जानकर खुशी हो रही है कि महिला सशक्तीकरण एक ऐसा विषय है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के लगभग सभी एपिसोड में निश्चय ही चर्चा की है।

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया है कि महिलाएँ सिर्फ माँ, बहनें और बेटियाँ नहीं हैं, बल्कि समाज की सच्ची शिल्पकार हैं। उनके नेतृत्व में सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएँ शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें भारत की विकास यात्रा का नेतृत्व करने लायक बनाना है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, महिला ई-हाट आदि जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने में सक्षम बनाकर, सरकार सभी महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। रेडियो एक बहुत ही सशक्त मंच है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के माध्यम से राष्ट्र के विकास हेतु महिला सशक्तीकरण के महत्त्व को उजागर करने के लिए एक मंच के रूप में रेडियो का अच्छी तरह से उपयोग किया है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री 'मन की बात' के माध्यम से न केवल इन महिला-केंद्रित योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि स्वास्थ्य, खेल, रक्षा, विमानन और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न भी मनाते हैं। 'मन की बात' ने सियाचिन में ऑपरेशनल रूप से तैनात होने

वाली पहली महिला अधिकारी कैप्टन शिवा चौहान, हाथ से बनी अपनी सुन्दर तंजावुर गुड़िया के लिए प्रसिद्ध थारगैगल कैविनाई पोरुत्कल विरपनई अंगड़ी के कलाकार, ई-रिक्शा के माध्यम से स्वतंत्रता और सशक्तता पाने वाली छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा की आदिवासी महिलाएँ और एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव जैसी उत्कृष्ट महिलाओं को मान्यता दी है। प्रधानमंत्री द्वारा मान्यता प्राप्त करना न केवल भारत की महिलाओं के बीच गर्व पैदा करता है अपितु युवा लड़कियों को भी सशक्त बनाता है, उनके विश्वास को बढ़ावा देता है कि दृढ़ संकल्प किसी भी बाधा को दूर कर सकता है।

मुझे नई दिल्ली में 'मन की बात' @100 कॉन्क्लेव में 'नारी शक्ति' पर एक पैनल चर्चा का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला। ऐसी प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ मंच साझा करना सीखने के साथ-साथ प्रेरक अनुभव भी था। पैनल के प्रत्येक सदस्य के पास महिला सशक्तीकरण के बारे में बताने के लिए कुछ-न-कुछ दिलचस्प पहलू थे। नगालैंड की लिडी-क्रो-यू की महिलाएँ और दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए काम से जुड़ी दीपमाला पांडे जैसी कई महिला चेंजमेकर कॉन्क्लेव में मौजूद थीं। यह कॉन्क्लेव बदलाव की इतनी सारी कहानियाँ सुनने और खुद को उस परिवर्तन का हिस्सा बनाने की दिशा में प्रेरित होने का एक महान अवसर था।

'मन की बात' भारत के उन कोनों तक पहुँच गया है, जहाँ समाचारपत्र भी नहीं पहुँचते। इससे समाज के निचले तबके के लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। इन व्यक्तियों पर प्रधानमंत्री की स्पॉटलाइट लोगों को प्रेरित और उत्साहित करती है, उन्हें काम करने की दिशा में प्रेरित करती है और 'सबका साथ, सबका प्रयास' की भावना को मज़बूत करती है।

मन की बात

महिला सशक्तीकरण की आवाज़

'मन की बात' के 99वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा था, 'नारी शक्ति की ऊर्जा ही विकसित भारत की प्राणवायु है।' और वाकई! आज, महिलाएँ राष्ट्रीय विकास में योगदान देने वाले अभियानों का नेतृत्व कर रही हैं और ऐसे कई उदाहरण 'मन की बात' में उजागर किए गए हैं।

तमिलनाडु के कोयम्बटूर ज़िले के गाँव अनाइकट्टी की आदिवासी महिलाएँ दया सेवा सदन के साथ निर्यात-गुणवत्ता वाले टेराकोटा चाय के कप और अन्य उत्पाद बनाती हैं। वे पर्यावरण के अनुकूल जीवन जीने के महत्त्व के बारे में जागरूकता पैदा कर रही हैं। पूनकोड़ी और पूनगोड़ी, समूह के सदस्य कहते हैं :

"हम आदिवासी महिलाओं के लिए आजीविका विकास केंद्र के सहयोग से मिट्टी के चाय के कप और तुम्बे की थाली बनाते हैं। भारत के प्रधानमंत्री द्वारा मान्यता प्राप्त करने से हमें अपनी कम्पनी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए प्रेरणा मिली है। उनके शब्द हमारे लिए गर्व का स्रोत हैं।"

छत्तीसगढ़ के देउर गाँव की महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों के ज़रिए गाँव के चौराहों, सड़कों और मंदिरों की सफ़ाई के लिए अभियान चलाती हैं। समूह की अध्यक्ष शांति नेताम और उनके साथियों ने बताया :

" हमारे समूह में 8 सदस्य हैं और हर रविवार हम गाँव में स्वच्छ भारत मिशन के लिए काम करते है। प्रधानमंत्री ने 2021 में हमारे कार्य के बारे में बात की थी, जिससे हमें बहुत ख़ुशी हुई और बहुत प्रोत्साहन मिला। हमने जन सेवा के लिए यह कार्य शुरू किया था और स्वच्छता के लिए यह समूह बनाया था। हम गोबर खाद, वर्मी खाद भी बनाते हैं, जिसकी हम बिक्री करते हैं।"

नागानदी नवीनीकरण परियोजना निदेशक, डॉ. चंद्रशेखरन ने नागानदी को पुनर्जीवित किया, जो वेल्लोर ज़िले में बहती है। इस नदी में पानी के प्रवाह को बढ़ाने के लिए, आर्ट ऑफ़ लिविंग संगठन के साथ क्षेत्र के राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार कार्यक्रम में कार्यरत महिलाओं ने जल-समृद्ध कुओं की स्थापना की। डॉ. चंद्रशेखरन ने बताया :

"इस परियोजना में 20,000 से अधिक महिलाओं ने मिलकर काम किया है और हमने भूजल संरक्षण के लिए जल संवर्धन कूप बनाने की परियोजना भी शुरू की है।
नतीजा यह हुआ कि भूजल बढ़ा और पंचायत परिषद अध्यक्ष ने हमारी तारीफ़ की। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री के उल्लेख ने हमें बहुत प्रोत्साहित किया है।"

मन की बात : जन संवाद से आत्मनिर्भरता

रवि कुमार नर्रा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, दलित भारतीय वाणिज्य और उद्योग परिसंघ
(DICCI)

'मन की बात', भारत में अपनी तरह की पहली अनोखी पहल है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के नागरिकों के साथ सीधे संवाद के लिए आकाशवाणी पर एक सामाजिक संवादात्मक मंच बनाया है, जिस पर वे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण विषयों और मुद्दों पर बोलते हैं। इसका उद्देश्य देश भर के नागरिकों की आकांक्षाओं और चुनौतियों को समझने का है ताकि 21वीं सदी में नए आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो।

30 अप्रैल, 2023 को प्रसारित 'मन की बात' की 100वीं कड़ी ने इतिहास रच दिया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 100 महीनों तक भारत की जनता से सीधे संवाद किया। 3 अक्टूबर, 2014 से 100वें एपिसोड तक के प्रसारण के सफ़र में प्रधानमंत्री इस अनूठे रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता से जुड़े और भारत के लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले और वास्तविक परिवर्तन लाने वालों की सैकड़ों प्रेरणादायक सफलता की कहानियों पर प्रकाश डाला है।

हाल में 26 अप्रैल, 2023 को मुझे सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित 'मन की बात' @ 100 नेशनल कॉन्क्लेव में भाग लेने का अवसर मिला। 'जन संवाद से आत्मनिर्भरता' पर परिचर्चा के दौरान, 'मन की बात' के ज़रिए प्रधानमंत्री के मासिक सम्बोधनों के वास्तविक प्रभाव को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। एक उद्यमी होने के नाते, आर्थिक वृद्धि और विकास की दिशा में ज़मीनी स्तर पर योगदानकर्ताओं की प्रेरणादायक यात्रा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। व्यापार और रोज़गार के नए अवसर पैदा करने वाले आम लोगों की सफलता आत्मविश्वास पैदा करती है कि यदि आकांक्षाओं को सही कार्यों द्वारा निर्देशित किया जाए तो सफलता निश्चित है।

यह विश्वास अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाता है, जब प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की 25 प्रतिशत आबादी को शामिल करते हुए समावेशी विकास के माध्यम से देश के विकास की बात करते हैं। अवसरों के सन्दर्भ में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के आर्थिक विकास परिदृश्य को स्पष्ट रूप से 2014 के पूर्व और 2014 के बाद के समय में विभाजित किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व में

2014 के बाद के समय को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उद्यमिता विकास पारिस्थितिकी तंत्र के लिए देश में एक उच्च-स्तरीय वातावरण के निर्माण के रूप में देखा जा सकता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं और उद्यमियों की आकांक्षाओं और चुनौतियों को पूरा करने के लिए एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में DICCI 2005 से लगातार काम कर रहा है। सरकार के सक्रिय प्रयासों से DICCI को अपने विभिन्न मंचों पर आमंत्रित करने और विकासात्मक लक्ष्यों में उसके योगदान से, आज इस पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हुआ है। भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में, DICCI की सिफारिश पर कई योजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं। उनमें से कुछ हैं– स्टैंड-अप इंडिया योजना, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में राष्ट्रीय SC और ST हब, SCs के लिए ऋण वृद्धि गारन्टी योजना, SCs के लिए वेंचर कैपिटल फंड, नई सार्वजनिक खरीद नीति, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों द्वारा 4 प्रतिशत खरीद SC और ST उद्यमों से करने का आदेश, STs के लिए वेंचर कैपिटल फंड।

उपरोक्त योजनाएँ आज SCs और STs के महत्त्वाकांक्षी और मौजूदा उद्यमियों को कुछ गिरवी रखे बिना 15 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करती हैं। SC-ST उद्यमिता के अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र ने DICCI के लिए अमेरिका से नेशनल ब्लैक चैम्बर ऑफ़ क़ॉमर्स के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश करने का मार्ग प्रशस्त किया है, जो भारत के SC-ST के प्रवासी उद्यमियों और माइनॉरिटी बिज़नेस एंटरप्राइसिस ऑफ़ अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार और रोज़गार के अवसरों का निर्माण करता है।

'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है, जहाँ एक आम नागरिक अपने अधिकारों और अवसरों को सीधे प्रधानमंत्री से सीखता और समझता है। 'मन की बात' कार्यक्रम के कारण आज SC-ST युवा एवं महत्त्वाकांक्षी उद्यमी प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेख की गई योजनाओं और अवसरों का हवाला देते हुए बैंकों, वित्तीय संस्थानों, विभागों और एजेंसियों की सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं और उनकी सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जो पहले उन्हें सुलभ नहीं थी।

मैं गर्व से कह सकता हूँ कि 'मन की बात' एक गेम चेंजर संवाद मंच रहा है, जिसने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं और उद्यमियों के बीच आत्मनिर्भरता के बीज बोए हैं।

छोटे व्यवसायों का जश्न मनाती 'मन की बात'

एक्शन में आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में अक्सर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और 'वोकल फ़ॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के माध्यम से आत्मनिर्भरता हासिल करने के महत्त्व के बारे में बात की है। उन्होंने छोटे व्यवसायों और कारीगरों की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डाला है, जो अपने अभिनव विचारों और उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की भावना को बढ़ावा दे रहे हैं, साथ ही प्रधानमंत्री ने भारतीयों को स्थानीय उत्पादों को खरीद कर इन उद्यमियों और कारीगरों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

'मन की बात' के अपने 100वें एपिसोड के दौरान प्रधानमंत्री ने ऐसी कई सफलता की कहानियों को दोहराया और इनमें से कुछ आत्मानिर्भर भारत के पथप्रदर्शकों के साथ बातचीत की।

दूरदर्शन की टीम ने इन बदलाव-कर्ताओं से उनके काम, उनकी प्रेरणा और 'मन की बात' का उनके काम पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में और जानने के लिए बात की।

कश्मीर के पुलवामा ज़िले के मंज़ूर अहमद पेंसिल स्लेट बनाकर कई स्थानीय लोगों को रोज़गार देने के लिए जाने जाते हैं।

"'मन की बात' में हाइलाइट होने के बाद हमारा काम दोगुना हो गया है। स्वयं प्रधानमंत्री से मिली प्रशंसा और मान्यता ने हमें अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करने और अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान करने के लिए प्रेरित किया है। जब से प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय मंच पर हमारे काम के बारे में बात की है, हमें पेड़ों की आपूर्ति करने वाले किसान भी अधिक कमा रहे हैं। पहले जो पेड़ 2,000 रुपए में बिकता था, वह आज 5,000 रुपए में बिकता है। पहले हमारे गाँव के बारे में कोई नहीं जनता था, लेकिन प्रधानमंत्री जी की वजह से आज हमारा गाँव 'पेंसिल गाँव' के नाम से जाना जाता है। 100वें एपिसोड के दौरान जब प्रधानमंत्री ने मुझे फ़ोन किया तो यह मेरे लिए सरप्राइज़ था। हमारी बातचीत के तुरंत बाद, मुझे मेरे दोस्तों और रिश्तेदारों के कई फ़ोन आए। मेरे माता-पिता बहुत खुश थे। इस मौके पर पूरे गाँव ने मिठाइयाँ बाँटकर खुशियाँ मनाईं।"

- मंज़ूर अहमद, जम्मू-कश्मीर के **पेंसिल स्लेट** निर्माता

बेतिया, बिहार के प्रमोद बैठा ने क्षेत्र में रोज़गार पैदा करने के लिए अपनी खुद की एलईडी-बल्ब निर्माण इकाई शुरू की।

"मैं दिल्ली में एक एलईडी-बल्ब निर्माण कारखाने में काम करता था, लेकिन 2020 में कोविड-19 के दौरान मेरी नौकरी चली गई। जब मैं बेतिया वापस आया, तो मैंने अपने कौशल का उपयोग कर खुद का कुछ बनाने के साथ-साथ गाँव में दूसरे लोगो के लिए रोज़गार प्रदान करने का फैसला किया। मैंने बेतिया में अपनी खुद की एलईडी बल्ब-निर्माण इकाई स्थापित की और उसमें काम करने के लिए अन्य लोगों को प्रशिक्षण देना शुरू किया। 'मन की बात' में मेरे काम के लिए प्रधानमंत्री की तारीफ मेरे जीवन में ऊर्जा का स्रोत रही है। यह किसी सपने से कम नहीं है। उनके शब्द मेरे लिए प्रेरणा के स्रोत का काम करते हैं। जब से प्रधानमंत्री ने मेरे काम के बारे में बात की है, हमारे बल्बों की माँग बढ़ गई है। आज लोग मुझे एक उद्यमी के रूप में देखते हैं।"

- **प्रमोद बैठा** जिन्होंने बेतिया, बिहार में अपनी खुद की **एलईडी-बल्ब** निर्माण इकाई स्थापित की

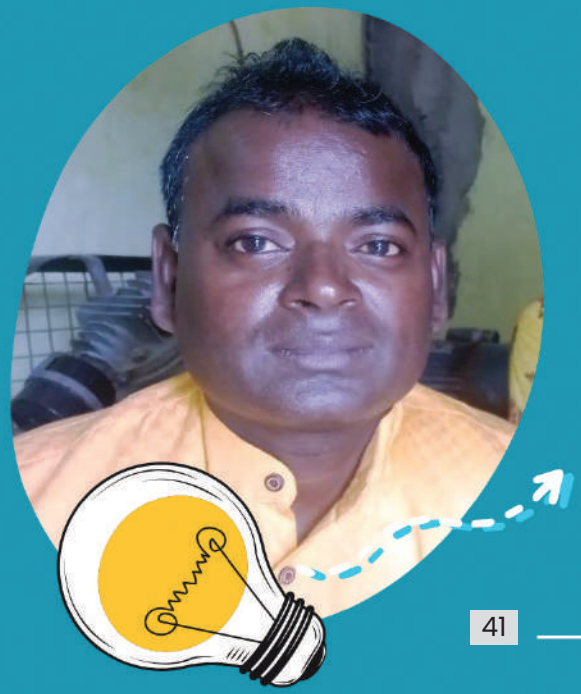

उत्तर प्रदेश में हापुड़ ज़िले के गढ़मुक्तेश्वर कस्बे की संतोष देवी पारम्परिक चटाई बनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं।

"मैंने 1978 में चटाई बनाने का अपना पुश्तैनी काम शुरू किया। इस काम को शुरू करने के पीछे मुख्य प्रेरणा आत्मनिर्भर बनना था। मैं प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि उन्होंने हमारी इस छोटी सी पहल की सराहना की। इससे मुझे अहसास हुआ कि मैं वास्तव में आत्मनिर्भर हो गई हूँ। प्रधानमंत्री द्वारा तारीफ़ किए जाने के बाद आज हमारे क्षेत्र में सभी इस काम में शामिल हो गए हैं। हमारे गाँव में बाहर के व्यापारी भी हमारी चटाई खरीदने आते हैं।"

-**संतोष देवी**, उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर शहर की एक गृहिणी, जो पारम्परिक **चटाई** बनाने का काम करती हैं

मणिपुर के बिष्णुपुर ज़िले की बिजयाशांति तोंगब्रम ने कमल के रेशों से अनोखे ईको-फ्रेंडली कपड़े बनाए

"कमल के रेशों से कपड़े बनाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा मेरा उल्लेख किया गया था। जब से प्रधानमंत्री ने खुद इसके बारे में बात की है, मेरा उत्पाद और भी ज़्यादा लोकप्रिय हो गया है। आज हमें अमरीका से भी भारी मात्रा में ऑर्डर मिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेख करने से आज मैं एक घरेलू उत्पादक से निर्यातक बन गई हूँ। 'मन की बात' के ऐतिहासिक 100वें एपिसोड के दौरान प्रधानमंत्री से बात करना एक सुखद अनुभव रहा।"

-मणिपुर के बिष्णुपुर ज़िले के थंगा की **बिजयाशांति तोंगब्रम**, जो **कमल के रेशों से कपड़े** बनाती हैं

'मन की बात' से टीकाकरण अभियान बना जन आन्दोलन

प्रोफ़ेसर डॉ. शशांक जोशी
लीलावती अस्पताल मुम्बई के सलाहकार एवं इंडियन कॉलेज ऑफ़ फ़ीज़िशियंस के पूर्व डीन

जन भागीदारी, लोकतंत्र का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है। प्रधानमंत्री और उनकी नीतियों का केन्द्र बिन्दु एक ऐसी टीम इंडिया तैयार करना रहा है, जो मिलकर, सामूहिक रूप से किसी भी चुनौती का सामना कर सके और देश को नई ऊँचाइयों पर ले जा सके। जन भागीदारी जन संवाद के बिना अधूरी है और यही प्रधानमंत्री के 'मन की बात' का मुख्य उद्देश्य है। हाल में सम्पन्न हुए राष्ट्रीय सम्मेलन 'मन की बात' @100 में मुझे एक पैनल का सदस्य होने का अवसर मिला, जिसमें हमने चर्चा की कि किस प्रकार इस क्रान्तिकारी रेडियो कार्यक्रम ने भारत में शासन के प्रति दृष्टि को एक नया और सकारात्मक मोड़ दिया है, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।

कोविड-19 वैश्विक महामारी की दूसरी डेल्टा लहर के दौरान मुझे प्रधानमंत्री के साथ बात करने का अवसर मिला था। वे सही अर्थों में भविष्य द्रष्टा हैं, जिन्होंने इस सदी में विश्व भर में आए सबसे कठिन मेडिकल संकट कोविड-19 के दौरान देश और दुनिया का अग्रिम पंक्ति से नेतृत्व किया। उन्हें भारतीय चिकित्सकों और विज्ञानिकों पर पूरा भरोसा था।

उन्होंने और उनकी टीमों ने महामारी के दौरान समाज के हर वर्ग के लोगों को सुना, उनसे बात की तथा उन समाधानों को वितरित करने की हर सम्भव कोशिश की, जो उस समय के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए थे और भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप थे। उन्होंने मुख्य रूप से कोविड-19 वायरस और बीमारी के बारे में विभिन्न मिथक दूर करके लोगों के मन से डर ख़त्म करने पर ध्यान दिया। उन्होंने महामारी के दौरान सभी स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम मोर्चे के कार्मिकों को प्रोत्साहित किया और यह भी सुनिश्चित किया कि पूरा देश उनकी सराहना करे, महामारी के समय में उन्हें प्रोत्साहित करे।

उन्होंने सुनिश्चित किया कि भारत अपनी दवाएँ और टीके तैयार करने के लिए आत्मनिर्भर हो। इस महामारी पर केन्द्रित भारतीय साक्ष्य तैयार किए गए। उन्होंने डिज़िटल इंडिया और स्किल इंडिया का उपयोग यह सुनिश्चित करने

के लिए किया कि टीम इंडिया पृथ्वी पर सबसे बड़े टीकाकरण अभियानों में से एक के लिए विश्व प्रसिद्ध कोविन प्लेटफॉर्म बनाए। उनकी वैक्सीन रणनीति समानता और समभाव पर आधारित थी और उन्होंने इस संकट के दौरान दुनिया के अन्य देशों की भी मदद की।

'मन की बात' अपनी तरह का पहला रेडियो शो है, जो एक ऐसा मंच बन गया, जहाँ से कई महत्त्वपूर्ण अभियानों और जन आन्दोलनों की शुरुआत हुई। इन सभी जन आन्दोलनों का महत्त्वपूर्ण घटक जन भागीदारी रहा है, जिसे प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम ने बढ़ावा दिया और कोविड-19 टीकाकरण अभियान जैसे राष्ट्रव्यापी अभियानों की सफलता में यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है, जिसकी दुनिया भर में सराहना हुई है।

2020 में प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के कई अंकों में केवल कोविड-19 के बारे में बात की। उन्होंने लोगों को कोविड-19 के उपयुक्त व्यवहार और कोविड-19 टीकाकरण और इसके महत्त्व के बारे में शिक्षित किया। उन्होंने लोगों से अपने और अपने प्रियजनों का जीवन बचाने के लिए टीका लगवाने का आग्रह किया। देखते-ही-देखते कोविड-19 टीकाकरण अभियान ने जन आन्दोलन का रूप ले लिया और लोग बिना किसी हिचकिचाहट के स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों पर आकर टीका लगवाने लगे। इस प्रकार, महामारी से जंग भारत के लोगों की जंग बन गई और पूरा देश इसके लिए एकजुट हो गया।

अनेकता में एकता की भावना बनाए रखते हुए प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' में राष्ट्र निर्माण में जन भागीदारी की दृष्टि को आगे बढ़ाया है।

जी20 नेता के रूप में प्रधानमंत्री अब वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा के साथ समूची पृथ्वी पर शान्ति, सद्भाव और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने योग को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया और 'मन की बात' कार्यक्रम विश्व के उन अग्रणी कार्यक्रमों में से एक है, जो भारत के हर परिवार से जुड़ने का माध्यम बन चुका है। 'मन की बात' के माध्यम से उन्होंने राष्ट्र की नब्ज़ महसूस की और आत्मनिर्भर वैश्विक शक्ति बन रहे भारत के नागरिकों के लिए क्या प्रासंगिक और सार्थक है, उसी विषय पर बात की।

मन की बात

जन आन्दोलन से हो रहा राष्ट्रीय विकास

'मन की बात' एक ऐसा मंच बन गया है, जहाँ से कई महत्त्वपूर्ण अभियानों और जन आन्दोलनों की शुरुआत हुई है। पहले एपिसोड में प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान के आह्वान से कोविड-19 के दौरान आत्मनिर्भरता के आह्वान तक, 'मन की बात' के सम्बोधनों ने लोगों को महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर कार्रवाई करने के लिए बार-बार प्रेरित किया है। देश भर के श्रोताओं के साथ अपनी भावनात्मक अपील और सीधे जुड़ाव के साथ आज 'मन की बात' परिवर्तन और जन आन्दोलन के सबसे बड़े प्रवर्तक के रूप में खड़ी है, जिसने भारत के विकास को और आगे बढ़ाया है।

'मन की बात' से शुरू हुए विभिन्न जन आन्दोलनों में से कुछ का उल्लेख प्रस्तुत है।

द इंडियन टॉय स्टोरी

"मेरे स्टार्ट-अप दोस्तों से, हमारे नए उद्यमियों से मैं कहता हूँ- खिलौनो के लिए टीम बनाएँ... आइए हम मिलकर खिलौने बनाएँ। सभी के लिए, यह स्थानीय खिलौनों के लिए मुखर होने का समय है।"

2021-22 में भारत में खिलौनों का आयात लगभग 67% से घटा है और भारतीय खिलौनों का निर्यात 240% बढ़कर 326.63 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

हर घर तिरंगा

"मेरे प्यारे देशवासियो, आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत, 13 से 15 अगस्त तक, एक स्पेशल मूवमेंट - 'हर घर तिरंगा' का आयोजन किया जा रहा है। इस मूवमेंट का हिस्सा बनकर आप अपने घर पर तिरंगा ज़रूर फहराएँ, या उसे अपने घर पर लगाएँ। तिरंगा हमें जोड़ता है, हमें देश के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करता है।"

हर घर तिरंगा वेबसाइट पर 6 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं और एक गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया गया, जहाँ 5,885 छात्रों ने मिलकर लहराते हुए राष्ट्रीय ध्वज की छवि बनाई, जो दुनिया की सबसे बड़ी मानव छवि बनी।

श्वानों की भारतीय नस्लें

"साथियो, मुझे यह भी बताया गया कि इंडियन ब्रीड के डॉग्स भी बहुत अच्छे होते हैं, बहुत सक्षम होते हैं। इनको पालने में खर्च भी काफ़ी कम आता है और ये भारतीय माहौल में ढले भी होते हैं। अगली बार, जब भी आप, डॉग पालने की सोचें, आप ज़रूर इनमें से ही किसी इंडियन ब्रीड के डॉग को घर लाएँ।"

आज, भारतीय श्वानों को अपनाने में वृद्धि हुई है और ITBP नक्सल विरोधी अभियानों के लिए इंडियन मुधोल हाउंड को तैनात कर रहा है। NDRF ने भी अपने बचाव कार्यों में स्वदेशी श्वानों की नस्लों को शामिल किया है।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री द्वारा कई जन आन्दोलन शुरू किए गए, जो देश के कोने-कोने में फ़ैल गए। उनसे प्रेरित होकर कई देशवासियों ने खुद की नई मुहिम शुरू की, जो उनके आस-पास के इलाकों से शुरू होकर देश के हित के लिए नए जन आन्दोलनों के रूप में उभर कर आईं। 'सेल्फ़ी विथ डॉटर' और 'हीलिंग हिमायलाज़' ऐसी कई मुहिमों में से दो मुहिम हैं, जिन पर प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रकाश डाला है।

सुनील जगलान एक समर्पित व्यक्ति हैं, जिन्होंने अपने गाँव बीबीपुर, हरियाणा में लैंगिक समानता पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला है। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में 'सेल्फ़ी विथ डॉटर' अभियान शुरू करना शामिल है, जिसने भारत और विदेशों में अपार लोकप्रियता हासिल की है। वे कहते हैं :

"मैंने बालिका शिक्षा और सशक्तीकरण के महत्त्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सेल्फ़ी विथ डॉटर' अभियान शुरू किया, जिससे माता-पिता अपनी बेटियों के साथ सेल्फ़ी लें और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करें। इस अभियान को सभी वर्गों ने अपनाया। प्रधानमंत्री द्वारा सराहना ने मुझे बहुत प्रोत्साहन दिया है। अब मैंने देश की पहली महिला महापंचायत और पहली हाईटेक पंचायत की भी शुरुआत की है। मैं खुश हूँ कि मेरे काम से कई महिलाओं और लड़कियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।"

प्रदीप सांगवान हीलिंग हिमायलाज़ फाउंडेशन के संस्थापक और प्रमोटर हैं, जिसने हिमालय से कचरा साफ़ करने की ज़िम्मेदारी ली है। अब तक टीम ने हिमालय की तलहटी से लगभग 8,00,000 किलोग्राम गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरा साफ़ किया है। उनका कहना है :

"मैं 2013 से एक कैम्पेन चला रहा हूँ, जिसका नाम 'हीलिंग हिमालयाज़' है। 'हीलिंग हिमालयाज़' के अंतर्गत हम अलग-अलग क्षेत्रों में ट्रैकिंग एंड ट्रैवेलिंग फॉर पर्पस का आयोजन करते है, जिसमें धार्मिक स्थल, गाँव और ट्रैकिंग रूट्स में जाते हुए बहुत सारी कम्युनिटीज़ के साथ इंगेजमेंट किया जाता है। हिमालयाज़ की सफाई ही हमारा लक्ष्य है।
मुझे नहीं लगता था कि मेरे काम को कोई नोटिस कर पाएगा, क्योंकि हम इतने रिमोट लोकेशन पर काम करते हैं और यहाँ पर बहुत सारे वॉलंटियर्स ही नहीं पहुँच पाते, तो प्रधानमंत्री जी का हमारे क्षेत्र में पहुँचना और हमारे काम को देखना अपने आप में ही अलग अचीवमेंट है। इससे यह पता चलता है कि हमारी सरकार एनवायरनमेंट का खयाल रखती है और ऐसे लोगों का भी, जो ऐसे क्षेत्रों में काम करते हैं और यह हमें काफ़ी मोटीवेट करता है। यह एक बहुत मुश्किल काम है, क्योंकि इसमें सिर्फ़ हम कचरा नहीं हटा रहे, बल्कि लोगों की नकरात्मक सोच को भी हटा रहे हैं।"

मन की बात

भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का उत्प्रेरक

सदी की अगली तिमाही के लिए प्रधानमंत्री के व्यापक विज़न में से एक, हमारी विरासत पर गर्व करना और इसे संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए कदम उठाना है। प्रधानमंत्री समाज की सामूहिक सम्पदा — कला, साहित्य, संस्कृति की शक्ति को भली-भाँति पहचानते हैं और अपने 'मन की बात' के मासिक सम्बोधन के माध्यम से देश के कोने-कोने तक इस प्रचुर विरासत को पहुँचाकर इसे साझा ज्ञान बनाने का दायित्व उन्होंने अपने ऊपर लिया है।

प्रधानमंत्री अक्सर उन व्यक्तियों और संगठनों के प्रयासों पर प्रकाश डालते हैं, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा आगे बढ़ कर नेतृत्व किया है कि देश की समृद्ध सभ्यतागत विरासत के सबसे छोटे पहलू को भी भारत के नागरिकों के बीच ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर उचित मान्यता मिले। 'मन की बात' की 100वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने नागरिकों द्वारा अपनी सांस्कृतिक प्रथाओं को संरक्षित करने और उन्हें युवा पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए की गई कुछ अनूठी पहलों का पुनः ज़िक्र किया।

कावेमश्री की 'कला चेतना'

डॉ. कावेमश्री श्रीनिवास के अपनी भूमि की संस्कृति और साहित्यिक कौशल के प्रति जुनून और इस विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता ने 'कला चेतना' को जन्म दिया। उन्होंने कर्नाटक के गडग में इस मंच की स्थापना की, जहाँ आज राज्य और देश-दुनिया के कलाकारों के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 2022 में अपनी रजत जयंती मनाने वाला यह संगठन कई कला रूपों में युवाओं की रुचि को पुनर्जीवित करने में सफल रहा है और वैश्विक कलाकारों को गडग से परिचित कराने में कला चेतना ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कुमेल ब्रदर्स चैलेंजर्स क्लब

लक्षद्वीप के कल्पेनी द्वीप पर एक क्लब, कुमेल ब्रदर्स चैलेंजर्स क्लब, द्वीप के युवाओं को स्थानीय संस्कृति और पारम्परिक कलाओं को संरक्षित करने के लिए प्रेरित कर रहा है, विशेष रूप से वे, जो समय के साथ खो रहे हैं। क्लब ने युवाओं को कोलकली, परीचकली, किलिपाट और पारम्परिक गीतों की स्थानीय कला में प्रशिक्षित करने की ज़िम्मेदारी ली है।

कथा शास्त्र

भारतीय उपमहाद्वीप ने हमेशा कथा शास्त्र यानी कहानी कहने की परम्परा का पोषण किया है, चाहे वह 'कथा', 'कथाकालक्षेपम' , 'विल्लू पाट', 'कठपुतली', या 'किस्सागोई' की परम्परा हो। सितम्बर, 2020 की 'मन की बात' के एपिसोड में प्रधानमंत्री ने समाज में इस परम्परा को जीवित रखने के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक प्रयासों की सराहना की थी, जिससे कथा शास्त्र को प्रचारित करने में मदद मिली और भारत की आज़ादी के 75वें वर्ष में हमारे स्वतंत्रता आन्दोलन की हर छोटी-बड़ी घटना से युवा पीढ़ी को परिचित कराने के लिए देशभर के कहानीकार अनोखे तरीके खोज रहे हैं।

शिक्षा का प्रसार

'मन की बात' की प्रेरक कहानियाँ

"चाहे शिक्षा की बात हो या संस्कृति की, चाहे उसके संरक्षण की बात हो या प्रचार-प्रसार की, ये हमेशा से भारत की प्राचीन परम्पराओं का हिस्सा रहे हैं। देश आज इस दिशा में जो काम कर रहा है, वह वाकई काबिले तारीफ़ है।"

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
'मन की बात' सम्बोधन में

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास और प्रगति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह व्यक्तियों को सशक्त बनती है, समुदायों को मज़बूत करती है और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देती है। लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने अक्सर शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला है, साथ ही यह कार्यक्रम हमारे समाज में शिक्षा के प्रसार के लिए असाधारण काम करने वाले आम नागरिकों की प्रेरक कहानियों को भी देश के सामने लाया है। 'मन की बात' के अपने 100वें एपिसोड के दौरान प्रधानमंत्री ने सफलता की ऐसी कई कहानियाँ फिर से दोहराईं। दूरदर्शन की टीम ने इन बदलाव लाने वालों से उनके काम, प्रेरणा और उनके काम पर 'मन की बात' के प्रभाव के बारे में और जानने के लिए बात की।

पद्म श्री स्वर्गीय डी. प्रकाश राव ओडिशा के एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। वह एक चाय विक्रेता थे, जिन्होंने वंचित झुग्गी के बच्चों को शिक्षित करने के लिए आशा-ओ -आश्वासन नामक एक स्कूल की स्थापना की।

"मेरे पिता अपने स्कूल आशा-ओ-आश्वासन के माध्यम से कटक में झुग्गी और अनाथ बच्चों को शिक्षा प्रदान करने में उनके योगदान के लिए जाने जाते थे। जब प्रधानमंत्री कटक आए तो संयोग से वे मेरे पिता और उनके स्कूल के छात्रों से मिले। वह मेरे पिता के काम से प्रेरित हुए और उन्होंने लोकप्रिय रेडियो शो 'मन की बात' में इसके बारे में बताया।

संजय कच्छप को झारखंड के लाइब्रेरी मैन के नाम से जाना जाता है। उन्होंने स्थानीय लोगों में पढ़ने की आदत डालने के लिए दुमका गाँव और आस-पास के क्षेत्रों में विभिन्न डिज़िटल पुस्तकालयों की शुरुआत की।

"मैट्रिक की पढ़ाई पूरी करने के बाद मेरी इच्छा आईएएस अधिकारी बनने की थी, लेकिन किताबों और मार्गदर्शन के अभाव में मेरी यह इच्छा धूमिल हो गई। मैंने महसूस किया कि मेरे गाँव के युवा भी इसी तरह की चीज़ों से गुज़र रहे हैं। छोटे बच्चे नकारात्मकता की ओर बढ़ रहे थे, क्योंकि गाँव में अध्ययन और शिक्षा के वातावरण का अभाव था। तभी मैंने एक डिज़िटल लाइब्रेरी बनाने और स्थानीय लोगों में पढ़ने की आदत डालने का फैसला किया। मेरी पहल की प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' सम्बोधन के दौरान सराहना की थी। तब से, मेरी छोटी सी पहल का विस्तार हुआ है, क्योंकि अधिक-से-अधिक लोग मुझसे जुड़ रहे हैं। मैं समझता हूँ कि तारीफ़ के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी भी आती है। मैंने इस पहल के लिए काम करने की अपनी गति को दोगुना कर दिया है, लोग भी इसमें बहुत मदद कर रहे हैं।"
-संजय कच्छप, डिज़िटल लाइब्रेरी ग्रुप, झारखंड के संस्थापक

एन.के. हेमलता तमिलनाडु के विलुप्पुरम ज़िले की तमिल शिक्षिका हैं। इन्हें कोविड-19 के दौरान अपने छात्रों के सामने आने वाली बाधाओं को रोकने के लिए शिक्षण के नए तरीके ढूँढ़ने के लिए जाना जाता है।

"COVID-19 के दौरान, मेरे छात्रों को अपनी पढ़ाई में बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उनकी शिक्षा जारी रखने में उनकी मदद करने के लिए मैंने सभी अध्यायों को एनिमेटेड वीडियो में बदल दिया। मैंने ये वीडियो अपने छात्रों को एक पेन ड्राइव में दिए। इससे मेरे छात्रों को अध्यायों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। मैंने यह भी सुनिश्चित किया कि उनकी प्रगति की जाँच करने और उनकी शंकाओं का समाधान करने के लिए मैं हमेशा फोन पर उपलब्ध रहूँ। 'मन की बात' में ज़िक्र होने से मेरी पहचान काफ़ी व्यापक हुई है। इसने मेरे स्कूल के अन्य शिक्षकों और क्षेत्र के अन्य शिक्षकों को भी अन्य विषयों के लिए समान पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए प्रेरित किया है।"
-एन.के. हेमलता, शिक्षिका, तमिलनाडु

इसके तुरंत बाद, मेरे पिता ने पद्मश्री प्राप्त किया। इन दो उपलब्धियों ने उनकी पहुँच और अधिक बच्चों तक बढ़ा दी। मेरे पिता उन बच्चों के लिए शिक्षा लाए, जो इसके महत्त्व को नहीं जानते थे। वे हमेशा कहते थे कि मैं पढ़ नहीं सकता, लेकिन मैं चाहता हूँ कि हर बच्चा पढ़े और जीवन में आगे बढ़े। उनके निधन के बाद मैं स्कूल की देखरेख करती हूँ। वर्तमान में हमारे पास लगभग 96 छात्र हैं। मेरे पिता द्वारा शुरू किए गए नि:स्वार्थ कार्य की प्रशंसा करने के लिए मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहती हूँ। यह जानकर बहुत खुशी होती है कि प्रधानमंत्री मेरे पिता को उनके काम के लिए याद करते हैं। मुझे यकीन है, यह बहुत से लोगों को अपने इलाकों में इसी तरह का काम करने के लिए प्रेरित करेगा।"
- **भानुप्रिया राव**, स्वर्गीय डी. प्रकाश राव की पुत्री

मन की बात

प्रतिक्रियाएँ

Amit Shah @AmitShah

'Mann Ki Baat' completed 100 episodes today, leaving a splendid trail of impactful leadership examples. Listened to #MannKiBaat100 in Mumbai.

Modi Ji's words to achievers have inspired the young generation to take charge of the nation's destiny & build a better future for all.

Ministry of Railways @RailMinIndia

The 100th episode of #MannKiBaat was celebrated today. Tremendous enthusiasm was witnessed among Railway Swachhta Karmis, Sahayaks & passengers at different Railway Stations Nationwide.

#MannKiBaat100

Narendra Modi and 5 others

Bill Gates @BillGates

Mann ki Baat has catalyzed community led action on sanitation, health, women's economic empowerment and other issues linked to the Sustainable Development Goals. Congratulations @narendramodi on the 100th episode.

livemint.com
Mann Ki Baat boosts India's efforts towards sustainable development goals: ...
The report release was timed around the special milestone of the completion of the 100th episode of the popular radio program 'Mann ki Baat' hosted by ...

Hiroshi Suzuki, Ambassador of Japan @HiroSuzukiAmbJP

Congratulations on the 100th episode of Mann Ki Baat, PM @narendramodi. The program, as our late Japanese PM Shinzo Abe wrote in the preface to the book 'Mann Ki Baat: A Social Revolution on Radio', reflects PM Modi's "strong passion for dialogue". #MannKiBaat100

Message

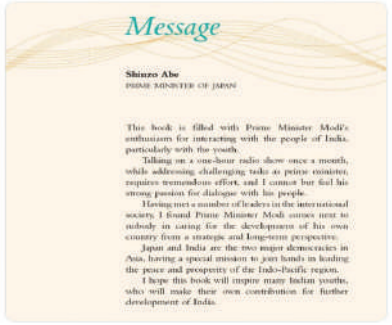

Shinzo Abe
PRIME MINISTER OF JAPAN

This book is filled with Prime Minister Modi's enthusiasm for interacting with the people of India, particularly with the youth.

Talking on a one-hour radio show once a month, while addressing challenging tasks as prime minister, requires tremendous effort, and I cannot but feel his strong passion for dialogue with his people.

Having met a number of leaders in the international society, I found Prime Minister Modi comes next to nobody in caring for the development of his own country from a strategic and long-term perspective.

Japan and India are the two major democracies in Asia, having a special mission to join hands in leading the peace and prosperity of the Indo-Pacific region.

I hope this book will inspire many Indian youths, who will make their own contribution for further development of India.

6:18 PM · May 2, 2023 · 750.4K Views

Piyush Goyal @PiyushGoyal

'Mann Ki Baat': The Tale of New India 🇮🇳

Read my article where I explain how PM @NarendraModi ji has struck a rare chord with the masses of India through #MannKiBaat100 !

indianexpress.com
Piyush Goyal writes: Through Mann Ki Baat@100, the tale of New India
Piyush Goyal writes: PM Modi has sought to educate, guide, mentor and motivate fellow Indians to work for social change and national development ...

Ashwini Vaishnaw @AshwiniVaishnaw

Joined #MannKiBaat100 in Japan.

Harsh Sanghavi @sanghaviharsh

#MannkiBaat100Episode celebrated in a special way in GSRTC buses.

Every single Indian was excited about PM Shri @narendramodi Ji's #MannKiBaat

Dr Tamilisai Soundararajan @DrTamilisaiGuv

Honb @TelanganaGuv @DrTamilisaiGuv watched #MannkiBaat100Episode today at #Rajbhavan #Hyderabad alongside eminent citizens, ex service officers, social service NGOs, educationists, #MannKiBaat mentioned personalities from #Telangana .

All India Radio News and 5 others

Jyotiraditya M. Scindia @JM_Scindia

आज JIMS कालकाजी, दिल्ली में #MannKiBaat100 के प्रसारण के दौरान उपस्थित जनसमूह का उत्साह स्पष्ट दिख रहा था।

मन की बात का 100वां संस्करण अत्यंत प्रेरणादायी रहा - देश में सामाजिक चेतना जगाने के लक्ष्य के प्रति ये पहल एक आधार स्तंभ के रूप में उभरी है।

Translate Tweet

Pradeep Sangwan @iPradeepSangwan · Dec 27, 2020

Today our Prime Minister shared about the work we do to preserve Himalayas in Mann ki Baat. I am extremely humbled and honoured, it's only possible because of your contribution, participation and love.

Gratitude 🤗☘️
Himalayas 🏔️

@RandeepHooda

Anurag Thakur @ianuragthakur

विश्व आज आदरणीय प्रधानमन्त्री श्री @narendramodi जी के ऐतिहासिक सौवें #ManKiBaat कार्यक्रम का साक्षी बना। एक ऐसा कार्यक्रम जो पूरी तरह गैर राजनीतिक है, पूरी तरह जनता को समर्पित है, पूरी तरह समाज कल्याण व जनउत्थान को समर्पित है। प्रधानमन्त्री जी के मन की बात कार्यक्रम को जन-जन तक सुगमता से पहुँचाने के लिए @airnewsalerts @DDNewslive के कर्मचारी समेत इस कार्यक्रम से जुड़ा हर व्यक्ति बधाई का पात्र है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है यह क्रम यूँ ही अनवरत चलता रहेगा, देश को प्रधानमन्त्री जी का मार्गदर्शन वर्षों वर्षों तक मिलता रहेगा।

#ManKiBaat100
Translate Tweet

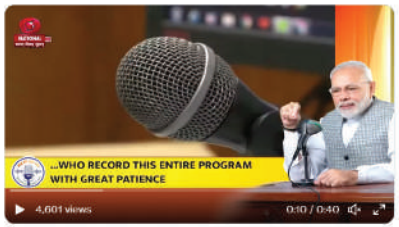

Dr. S. Jaishankar @DrSJaishankar

Joining diaspora and friends of India in New Jersey, USA for #MannKiBaat100

Dr. S. Jaishankar @DrSJaishankar
Joining diaspora and friends of India in New Jersey, USA for#MannKiBaat100

Smriti Z Irani @smritiirani

Listen to the transformative story of Vijayshanti Devi. A journey of a unique Textile from Manipur which became a true example of 'Local for Global'. #MannKiBaat100

Parshottam Rupala @PRupala

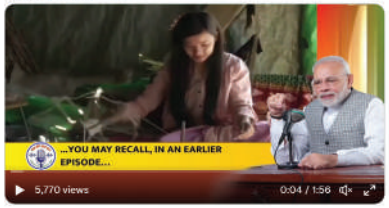

प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी द्वारा वर्ष 2014 से प्रारंभ हुए देश के सर्वाधिक लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम #MannKiBaat के ऐतिहासिक 100वें एपिसोड को अमरेली में वार्ड न. 3, बूथ में कार्यकर्ताओं के साथ सुनकर, मोदी जी का बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

Translate Tweet

Sarbananda Sonowal @sarbanandsonwal

Hon'ble PM Shri @narendramodi Ji's #MannKiBaat has been a catalyst to the birth of mass movements in India.

#MannKiBaat100

Rajeev Chandrasekhar @Rajeev_GoI

The historic 100th episode of #MannKiBaat is yet another celebration of our grassroot changemakers

Had the privilege of listening to our PM @narendramodi Ji during this milestone episode with party leaders, #karyakartas and citizens @BJP4Karnataka Media Center, #Bengaluru

#MannKiBaat100

Pinned Tweet

Sunil Jaglan @suniljaglan2021 · May 2

Thank you Our Dear Prime Minister @narendramodi ji to support #selfiewithdaughter campaign. It's really a great honour for me talk to you .

#MannKiAtBaat100 #selfiewithdaughter #suniljaglan #NarendraModi

Narendra Modi @narendramodi · Apr 30

A common theme across various #MannKiBaat programmes has been mass movements aimed at societal changes. One such popular movement was 'Selfie With Daughter.' During #MannKiBaat100 I spoke to Sunil Ji, who was associated with it.

Temjen Imna Along @AlongImna

Thank you PM @narendramodi
Ji for your inspiring words on tourism and taking the initiative to keep our beautiful natural resources, rivers, mountains, and pilgrimage sites clean.

This will surely help in growing the tourism industry in our country.

#MannKiBaat100

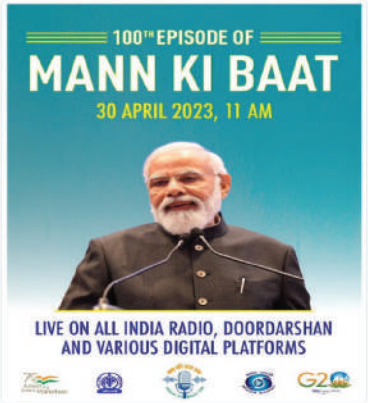

PMO India @PMOIndia · Apr 30

Tourism sector is growing rapidly in the country.

Be it our natural resources, rivers, mountains, ponds or our pilgrimage sites, it is important to keep them clean. This will help the tourism industry a lot.
#MannKiBaat100

Ruchira Kamboj @ruchirakamboj

Just started. 'Mann Ki Baat' at Trusteeship Council, UN Headquarters New York

1:30am EST

#MannKiBaat100

11:05 AM · Apr 30, 2023 · 28.3K Views

Vishal V. Sharma @VishalVSharma7

30th April 2023 (Sunday) 11am (IST)/7:30am (Paris time), hear the 100th episode of Hon. PM @narendramodi's #MannKiBaat radio broadcast, reaching a listenership of 270 million people in 52 languages, promoting #GoodGoverance practices. #Radio #DDLink youtube.com/live/VXZBFc5fh...

India at UNESCO and 9 others

11:56 PM · Apr 29, 2023 from Neuilly-sur-Seine, France · 1,227 Views

छत्तीसगढ़ में 10 हजार स्थानों पर सुना गया 'मन की बात' कार्यक्रम

पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के देउर गांव की महिलाओं के काम को सराहा, स्वच्छता अभियान का किया उल्लेख

'मन की बात' की 100वीं कड़ी का किया प्रसारण

'Mann ki Baat raised awareness over many issues, led to mass movements'

MARKING A MILESTONE.

દર મહિનાના છેલ્લા રવિવારે પ્રસારીત થતો રેડિયો કાર્યક્રમ

નરેન્દ્ર મોદીની 'મન કી બાત'એ સદી પૂરી કરી

૫૦ વર્ષ પહેલા મેં ઘર એટલે નહોતું છોડ્યું કે લોકોથી દૂર થઈ જાઉં, હું જનતાથી ક્યારેય દૂર થવા નથી માગતો : વડાપ્રધાન

'મન કી બાત' મારા માટે દેશની જનતા સાથે જોડાવાનો આધ્યાત્મિક માર્ગ : મોદી

'મન કી બાત'ના રેકોર્ડિંગ સમયે અનેક વખત ભાવુક થયો તેથી કાર્યક્રમને ફરી રેકોર્ડ કરવો પડ્યો હોય એવું પણ બન્યું : મોદી

മൻ കി ബാത്ത് രാജ്യത്തിന്റെ പുതിയ പാരമ്പര്യം -മോദി

देशवासीयांच्या सामर्थ्यातून सर्वांना प्रेरणा

'मन की बात'च्या १०० व्या भागात पंतप्रधान मोदी यांच्याकडून भावना व्यक्त

यांच्याबरोबरही संवाद

ಭಾವನೆಗಳ ಪ್ರತಿಬಿಂಬ

'मन की बात' का शतक, PM बोले- जनता से जुड़ा, भावुक हुआ तो दोबारा रिकॉर्ड किया

यूनेस्को की DG ने किया सवाल, PM का जवाब

प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' बन गई जन-जन की बात

മൻ കി ബാത്ത് ജനകോടികളുടെ വികാരം: മോദി

ചരിത്രം കുറിച്ച് 100 എപ്പിസോഡ്

പ്രധാനമന്ത്രി പറഞ്ഞത്

മൻ കി ബാത്ത്

Mann Ki Baat Provided Platform to Connect with People: PM

In its 100th episode, Modi calls show a spiritual journey for him, says issues taken up during programme became mass movements

Prime Minister Narendra Modi says Mann Ki Baat has become a festival that celebrates India's positivity and people

Our Political Bureau

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi said in the 100th episode of 'Mann Ki Baat' on Sunday that it was not merely a programme but a "spiritual journey" for him which provided a solution to connect with the people. Hailing the monthly radio broadcast, he said it was an expression of the feelings of crores of Indians and that the issues it took up became mass movements.

"Mann Ki Baat has become a festival that celebrates India's positivity and people," he said.

Reflecting on the importance of the programme in helping him reach out to the people as PM, he said, "After coming to Delhi in 2014, I found the nature of work was different ... there were security scenarios. In the initial days I felt emptiness. Fifty years ago, I did not leave my home to find that it would be difficult to contact the people of my own country. Mann Ki Baat gave me a solution to connect with people. It is not merely a programme but a spiritual journey to me."

He said the show is a reflection of the "mann ki baat" (mind's voice) of crores of Indians and an expression of their feelings, adding, "This programme has ensured that I am never cut off from you."

Several issues raised in the radio programme became mass movements, said the PM. "Be it 'Swachh Bharat', 'Har Ghar Tiranga' or 'Azadi ka Amrit Mahotsav', Mann Ki Baat acted as a catalyst in starting several mass movements," he said.

Underlining that the programme mostly steered away from politics, Modi said his mentor, late Laxmanrao Inamdar, a Rashtriya Swayamsevak Sangh functionary from Gujarat, always advised him to worship the good qualities of others, including of rivals.

"For me Mann Ki Baat is not a programme, for me it is a matter of faith. Like when people go to worship God, they bring along a thaal of prasad. For me, Mann Ki Baat is like a thaal of prasad at the feet of God in the form of janata-janardan, the people," he said.

Broadcast Held at Several Locations » 8

जिस विषय पर भी हुई चर्चा, लोगों ने उसे आंदोलन बना दिया : मोदी

୧୦୦ତମ ଏପିସୋଡ୍‌ରେ 'ମନ୍ କୀ ବାତ୍'

'ମନ୍ କି ବାତ୍' ମୋ ପାଇଁ ଆସ୍ଥା, ପୂଜା ଓ ବ୍ରତ: ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ

'मन की बात'द्वारे जनतेशी नाते -मोदी

राजभवनात अनेक मान्यवरांची हजेरी

Mann Ki Baat goes global, PM calls it spiritual journey

The 100th episode of Modi's monthly programme was broadcast live at the UN headquarters, UNESCO head hails it as BJP goes all out to celebrate the occasion

पेज एक का शेष

■ 100 എപ്പിസോഡുകൾ തികച്ചു

മൻ കി ബാത്ത് ജനങ്ങളിലേക്കുള്ള ആത്മീയയാത്ര: മോദി

Worship good qualities in others, says PM

In the 100th episode of Mann Ki Baat, Modi says the radio address is a way for him to connect with common man

'मन की बात' माझ्यासाठी श्रद्धा, पूजा, व्रत

शतकपूर्तीनिमित्त पंतप्रधान नरेंद्र मोदींची भावना; जगभरातील एक हजाराहून अधिक व्यासपीठांवर प्रसारण

મન કી બાત

'मन की बात' का शतक: मोदी बोले, 'मेरे लिए यह अहम् से वयम् की यात्रा'

'अच्छाइयों के विशेष पर्व से जुड़ा हर विषय बन गया जनआंदोलन'

ಇದು ಬರೀ ಮಾತಲ್ಲ; ವ್ರತ, ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಪಯಣ

'மனதின் குரல்' நிகழ்ச்சியை பார்த்த மணமக்கள்

கேரள மாநிலம் கொச்சியில் நேற்று திருமணம் செய்து கொண்ட ஒரு ஜோடி, திருமணத்துக்கு இடையே பிரதமர் மோடியின் 'மனதின் குரல்' 100-வது நிகழ்ச்சியை டி.வியில் பார்த்தபோது எடுத்த படம்.

மக்களின் உணர்வுகளே 'மனதின் குரல்'

ఇదో ఆధ్యాత్మిక ప్రయాణం

এই পদের জন্য ৫০ বছর আগে ঘর ছাড়িনি: মোদী

కోట్లాది భారతీయుల హృదయ స్పందన!

'మన్ కీ బాత్'తో జనంతో మమేకం

وزیر اعظم نے 'من کی بات' میں لگائی سنچری

વડાપ્રધાન મોદીએ 'મન કી બાત'નો 100મો એપિસોડ રજૂ કર્યો

'મન કી બાત' એક જનઆંદોલન, સ્વચ્છ ભારત હોય, ખાદી પ્રેમ કે અમૃત મહોત્સવ

100મા એપિસોડની મહત્વની વાત

মোদির শততম 'মন কি বাত', এলো চারজনের নাম, এরা কারা?

కోట్లాది భారతీయులను చేరువచేసిన

'మన్‌కీబాత్'

من کی بات میں اٹھائے گئے مسائل عوامی تحریک بن چکے ہیں: مودی

'మన్ కీ బాత్' శ్రవణంలో ప్రముఖులు, సామాన్యులు

विदेशों में भी सुनी गई मोदी के मन की बात

'मन की बात' की 100वीं कड़ी का यूएन मुख्यालय में हुआ लाइव टेलीकास्ट

100 episodes of Mann Ki Baat celebrated at heritage sites

മൻ കീ ബാത്തിന് നൂറാം പതിപ്പ്

जगभरात 'मन की बात'चा डंका

ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ୧୦୦ତମ ମନ କୀ ବାତ

'ମନ୍ କୀ ବାତ୍' ମୋ ପାଇଁ ଆସ୍ଥା, ପୂଜା ଓ ବ୍ରତ: ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀ

பெண் குழந்தைகளை காப்போம்; படிக்க வைப்போம் திட்டம்

மகளுடன் செல்பி பிரச்சாரம் தொடங்கியவர் பெருமிதம்

ମନ୍ କୀ ବାତ୍ ମୋ ପାଇଁ ଆସ୍ଥା, ପୂଜା ଓ ବ୍ରତ: ମୋଦୀ

THE TIMES OF INDIA

Atmanirbhar Bharat to Make in India, Mann Ki Baat showcased diverse stories: PM Modi

Hindustan Times

Activist thanks PM Modi for promoting 'Selfie with daughter' campaign in 'Mann ki Baat'

NEWS18

Mann Ki Baat @100: 'Almost Gave Up before PM Modi's Mention,' Pradeep Sangwan on 'Healing Himalayas' Project

INDIA TODAY

Glad that Mann Ki Baat has covered various stories of women empowerment: PM Modi

TIMES NOW

Mann Ki Baat Also Become Unique Festival Of Goodness And Positivity Of Countrymen: PM...

आज तक

Mann Ki Baat 100th Episode: पर्यटन, नारी शक्ति, शिक्षा जैसे तमाम मुद्दों पर देखें मन की बात का 100वां एपिसोड

ZEE हिन्दुस्तान

100वें एपिसोड में बोले प्रधानमंत्री मोदी, 'मन की बात' कार्यक्रम मेरे लिए एक आध्यात्मिक यात्रा

हिन्दुस्तान

PM Modi Mann ki baat: 'मन की बात' में कई बार हुआ भावुक, दोबारा रिकॉर्डिंग देनी पड़ी; *100*वें एपिसोड में बोले *PM* मोदी

अमर उजाला

Mann Ki Baat: पीएम मोदी ने मन की बात में कश्मीर के मंजूर अहमद से की बात, पूछा पेंसिल-स्लेट का काम कैसा चल रहा

पत्रिका

मन की बात की 100वीं कड़ी में PM मोदी ने छत्तीसगढ़ के देउर गांव की महिला समूह की तारीफ की

मन की बात

के सभी संस्करणों को पढ़ने के लिए
QR कोड को स्कैन करें।

सत्यमेव जयते

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

भारत सरकार

ALL INDIA RADIO NEWS